आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर, शनिवार 21 फरवरी 2026 ■ फाल्गुन शुक्ल पक्ष-4 ■ वर्ष -41 ■ अंक-321 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 22 फरवरी 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

अब स्कूल शिक्षा विभाग निजी स्कूलों में कराएगा 5वीं-8वीं की परीक्षा

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की याचिका खारिज

बिलासपुर,21 फरवरी। हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के प्राइवेट स्कूलों में पाचवीं व आठवीं की परीक्षा करने का अधिकार स्कूल शिक्षा विभाग को दिया है। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा विभाग के इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की याचिका को खारिज कर दी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद प्रदेश में संचालित सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त लगभग 6200 निजी हिंदी एवं इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाएं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की जाएगी। हाईकोर्ट के इस आदेश को प्रदेश में बिना मान्यता या संदिग्ध तरीके से संचालित फर्जी सीबीएसई स्कूलों के लिए करारा झटका माना जा रहा है। लंबे समय से ऐसे स्कूल खुद को सीबीएसई से जुड़ा बताकर एडमिशन ले रहे हैं, लेकिन न तो उनके पास वैध मान्यता थी और न ही शासन की अनुमति। अब सरकारी स्तर पर परीक्षा आयोजन से ऐसे स्कूलों की असलियत सामने आएगी।बता दें कि छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पांचवीं-आठवीं की परीक्षा स्वयं संचालित करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान हस्तक्षेप याचिकाकर्ता (इंटरविनर) सामाजिक कार्यकर्ता विकास तिवारी ने शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शिता और नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने दलील दी कि फर्जी स्कूलों के कारण हजारों बच्चों का भविष्य खतरे में है और शासन को इस पर सख्त नियंत्रण करना चाहिए। कोर्ट के आदेश के बाद अब स्कूल शिक्षा विभाग पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाओं के आयोजन, मूल्यांकन और निगरानी की सीधी जिम्मेदारी होगी।

मोदी, अमित शाह,राज्यपाल डेका ने दी बधाई

रायपुर,21 फरवरी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपना 62वां जन्मदिवस मना रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका,सांसद बृजमोहन अग्रवाल, व उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर नेताओं ने उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए राज्य के विकास में उनके नेतृत्व की सराहना की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को जशपुर जिले के कांसाबेल तहसील स्थित ग्राम बगिया में हुआ। उनके पिता स्वर्गीय राम प्रसाद साय और माता जसमनी देवी हैं।

मुख्यमंत्री साय ने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

रायपुर, 21 फरवरी. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने 62वें जन्मदिन के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की तथा रक्तदाताओं को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री के 62वें जन्मदिन के अवसर पर अल्फा ग्लोब फाउंडेशन, रायपुर तथा शिवनाथ ब्लड सेंटर द्वारा 62 लोगों के रक्तदान की विशेष व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान है और यह मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं, प्रसव एवं गंभीर बीमारियों के दौरान जब मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में रक्तदान मरीजों के जीवन में नई आशा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए हैं, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वे या उनके परिजन निःशुल्क रक्त प्राप्त कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि संस्था द्वारा एक वर्ष में लगभग 11 हजार यूनिट रक्त संग्रह का संकल्प लिया गया है तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न ब्लड बैंकों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर सुरक्षित यातायात जागरूकता अभियान का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान करने तथा सड़क यातायात नियमों का हर समय पालन करते हुए जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, आयोजकों, चिकित्सक दल एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिविर की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, सीजीएमएससी के चेयरमैन श्री दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा सहित, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष बने अंजय शुक्ला

रायपुर,21 फरवरी। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने आदेश जारी कर श्री अंजय शुक्ला को छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। नवा रायपुर स्थित मंत्रालय से 20 फरवरी 2026 को जारी आदेश के अनुसार, उक्त नियुक्ति के लिए माननीय मुख्यमंत्री की स्वीकृति प्राप्त है। आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से जारी किया गया है।

23 फरवरी को कांग्रेस विधायक दल की बैठक

रायपुर, 21 फरवरी छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र को लेकर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक दिनांक 23 फरवरी 2026 को शाम 04:00 बजे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आहुत की गयी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की अध्यक्षता में बैठक बुलायी गयी है, उक्त बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। बैठक की जानकारी छत्तीसगढ प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पीसीसी से संबद्ध नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के मीडिया प्रभारी घनश्याम राजू तिवारी ने दी है।

कार डिवाइडर से टकराई,तीन युवकों की मौत

रायपुर,21 फरवरी। रायपुर जिले के आरंग थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। महासमुंद से आरंग की ओर आ रही सफेद रंग की टाटा विस्टा कार (क्रमांक CG04HD2156) अनियंत्रित होकर डिवाइडर और बिजली के पोल से जा टकराई।इस भीषण हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों में दो सगे भाई हर्ष कुमार देवांगन (21 वर्ष) और राहुल देवांगन (20 वर्ष), पिता जमुना प्रसाद देवांगन, निवासी सरागांव, थाना छुरा शामिल हैं। दोनों हाल ही में आरंग के परमेस्वरी फोटो स्टूडियो में काम कर रहे थे। तीसरा मृतक थानू सतनामी (22 वर्ष), पिता साकिन, निवासी ग्राम ओडका, थाना आरंग है।

घायल मिथलेश धीवर (23 वर्ष), पिता संत राम धीवर, निवासी ब्लॉक कॉलोनी, आरंग को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, हादसा आरंग के पास नदी मोड़ पर हुआ। कार की तेज रफ्तार और ड्राइवर के नियंत्रण खोने को मुख्य कारण माना जा रहा है। कार रेलिंग तोड़ते हुए डिवाइडर से टकराई, जिससे हादसा इतना भीषण हो गया कि, तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। आरंग पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भेज दिए गए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दो सगे भाइयों की एक साथ मौत ने परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा की लापरवाही की ओर इशारा कर रहा है। स्थानीय लोग और परिजन प्रशासन से बेहतर सड़क सुरक्षा और स्पीड कंट्रोल की मांग कर रहे हैं।

दो बाइकों की टक्कर,दो की मौत

बिलासपुर (रतनपुर),21 फरवरी। बिलासपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो लोगों की जान चली गई। रतनपुर थाना क्षेत्र के जूना शहर के पास दो तेज रफ्तार बाइकें आपस में टकरा गईं। इस टक्कर में एक रेलवे कर्मचारी और दूसरी बाइक पर सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। मिली जानकारी के अनुसार, भरवीडीह निवासी मनहरण कमल (61), जो कोटा रेलवे स्टेशन पर चौकीदार के पद पर तैनात थे, शुक्रवार शाम अपनी बाइक (CG 10 AJ 4464) से ड्यूटी के लिए निकले थे। जैसे ही वे जूना शहर के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक (CG 10 BV 9022) पर शिव धनुहार (35) और कृष्णा धनुहार सवार थे, जो एक बारात में शामिल होने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइकों की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद सवार उछलकर सड़क से दूर जा गिरे। सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मनहरण कमल और शिव धनुहार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 और स्थानीय पुलिस ने घायल कृष्णा धनुहार को तुरंत रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

एसआईआर: राज्य में 25 लाख वोटरों के नाम कटे

रायपुर,21 फरवरी। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके बाद राज्य की निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर फर्जी और संदिग्ध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि एसआईआर अभियान के दौरान लगभग 24 लाख 99 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। अब प्रदेश में कुल 1,87,30,914 मतदाता हैं। उन्होंने अभियान में सहयोग देने के लिए प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया है। एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 थी। प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद यह संख्या घटकर 1 करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 हो गई। इसके बाद आपत्तियों और दावों की सुनवाई के उपरांत अंतिम निर्वाचक नामावली जारी की गई, जिसमें मतदाताओं की संख्या बढ़कर 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 हो गई। अंतिम चरण में सुनवाई के बाद 2 लाख 34 हजार 994 मतदाताओं के नाम जोड़े गए। इस तरह पूरी प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में फर्जी या दोहराव वाले नाम हटाकर सूची को शुद्ध किया गया। निर्वाचन विभाग का कहना है कि इस अभियान से मतदाता सूची अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है। इससे आगामी चुनावों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

विस का बजट सत्र 23 फरवरी से

15 बैठकें प्रस्तावित, दो महत्वपूर्ण विधेयक होंगे पेश : रमन सिंह

रायपुर,21 फरवरी। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से 20 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज पत्रकार वार्ता में सत्र की रूपरेखा और कार्यसूची की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बजट सत्र में कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र की शुरुआत सोमवार, 23 फरवरी 2026 को सुबह 11:05 बजे राज्यपाल रामेन डेका के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा 25 फरवरी को की जाएगी। अभिभाषण का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और आकाशवाणी से किया जाएगा। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी 24 फरवरी 2026 को अपराह्न 12:30 बजे वर्ष 2026-27 का आय-व्ययक (बजट) प्रस्तुत करेंगे। बजट भाषण का सीधा प्रसारण दूरदर्शन रायपुर और आकाशवाणी रायपुर से किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर सामान्य चर्चा 26 और 27 फरवरी को होगी। इसके बाद 9 से 17 मार्च तक विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा निर्धारित है। 17 मार्च को आय-व्ययक की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक का पुरःस्थापन किया जाएगा, जबकि 18 मार्च को विनियोग विधेयक पर चर्चा और पारण की तिथि तय की गई है।

दो महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तावित

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि शासकीय विधि-विषयक कार्यों के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं—

(1) छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026

(2) छत्तीसगढ़ लोक सुरक्षा (उपाय) प्रवर्तन विधेयक, 2026

इन विधेयकों को लेकर सत्र के दौरान राजनीतिक चर्चा और बहस की संभावना जताई जा रही है।

प्रश्नों और प्रस्तावों की बड़ी संख्या-सत्र के लिए अब तक कुल 2813 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें 1376 तारांकित प्रश्न शामिल हैं। इसके अलावा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 61 सूचनाएं, नियम 139 के अंतर्गत अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए 1 सूचना, 13 अशासकीय संकल्प, शून्यकाल की 9 सूचनाएं तथा 112 याचिकाएं भी प्राप्त हुई हैं।

निधन उल्लेख-सत्र के दौरान अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य दीनदयाल सिंह पोर्ते के निधन का उल्लेख भी किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बजट सत्र में वित्तीय, विधायी और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। सरकार और विपक्ष के बीच विभिन्न विषयों पर सार्थक बहस की संभावना है, जिससे राज्य की नीतिगत दिशा तय होगी।

पूर्व मंत्री कवासी लखमा बजट सत्र में होंगे शामिल

रायपुर,21 फरवरी। पूर्व मंत्री कवासी लखमा छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी बजट सत्र में हिस्सा ले सकेंगे। उन्हें उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत मिलने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सत्र में उनकी उपस्थिति की अनुमति कुछ शर्तों के आधार पर दी है। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जानकारी दी की शराब घोटाले मामले में एक साल बाद जेल से रिहा हुए पूर्व मंत्री कवासी लखमा भी बजट सत्र में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि विधानसभा की शर्तों के आधार पर कवासी लखमा बजट सत्र में हिस्सा लेंगे। उच्च न्यायालय द्वारा 3 फरवरी को कवासी को अंतरिम जमानत का लाभ दिया गया। जांच के दौरान याचिकाकर्ता के संबंध में उचित फैसला किया जाएगा। कवासी लखमा को निम्न शर्तों के आधार पर भाग लेने की अनुमति प्रदान की गई है।आने और जाने की जानकारी विधानसभा सचिव को देनी होगी। वे अपने निवास क्षेत्र का दौरा नहीं करेंगे। कड़ाई से अपनी "नो स्पीच" का पालन करेंगे। उनकी उपस्थिति केवल सत्र में ही रहेगी। यदि उन्होंने इन नियमों का पालन नहीं किया, तो उनकी अनुमति तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाएगी। बजट सत्र के अन्य विषयों की चर्चा में वे भाग ले सकते हैं, लेकिन अपने ऊपर चल रहे केस के संबंध में कोई चर्चा नहीं करेंगे।

मैनपाट के टाइगर पॉइंट में आग,कई दुकानें स्वाहा

सरगुजा,21 फरवरी। मैनपाट के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल टाइगर पॉइंट में बीते शुक्रवार की देर रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। आग ने देखते ही देखते आसपास बनी झोपड़ीनुमा दर्जनों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में अधिकांश दुकानें जलकर राख हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग की लपटें इतनी तेज थीं कि स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की और तत्काल प्रशासन को सूचना दी। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों की आशंका जताई जा रही है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दुकानें जलती हुई दिख रही हैं।

डिप्टी सीएम ने किया छत्रपति शिवाजी चौक का लोकार्पण, प्रतिमा का अनावरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 21 फरवरी। 19 फरवरी का दिन शहरवासियों के लिए ऐतिहासिक बन गया, जब नवनिर्मित छत्रपति शिवाजी चौक का भव्य लोकार्पण एवं वीरता, साहस और राष्ट्र गौरव के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की दिव्य प्रतिमा का विधिवत अनावरण उत्साह और आतिशबाजी के साथ किया गया। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण रहा और बड़ी संख्या में नागरिक इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजय शर्मा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से प्रतिमा का अनावरण कर कवर्धावासियों एवं चंद्रनाहू कुर्मी समाज को एक ऐतिहासिक सौगात प्रदान की।

प्रेरणा का प्रतीक शिवाजी महराज:विजय शर्मा

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विजय शर्मा ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि कवर्धा के शिवाजी चौक में अब महराज शिवाजी की भव्य प्रतिमा की स्थापना हुई है कवर्धा की जनता को मनोभाव के अनुसार ही शिवाजी चौक में भव्य प्रतिमा विराजमान हुआ है। कवर्धा के नौजवानों के लिए यह स्थल प्रेरणा का प्रतीक है चौक में प्रतिमा का अनावरण हो जाने से कवर्धा के लोगों के मन में उत्साह व उमंग है । उन्होंने उपस्थित चंद्रनाहू कुर्मी समाज को बधाई शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि शिवाजी महराज का जीवन हमें सिखाता है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, प्रजा के हित, न्यायपूर्ण शासन और धार्मिक सहिष्णुता की जो परंपरा स्थापित की, वह आज भी आदर्श शासन का मार्गदर्शन करती है। ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना कवर्धा...चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य व दिव्य प्रतिमा का अनावरण कर कवर्धावासियों को समर्पित किया गया ही उन्होंने कहा कि यह चौक कवर्धावासियों के लिए आईडल बनकर खड़ा है हमारा आदर्श शिवाजी महाराज है अनावरण के समय में कवर्धावासियों उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना। शिवाजी के विचारों को पढ़कर, अध्ययन कर अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महराज के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में मुगलों ने अपना शासन चलाकर भारत की संस्कृति को नष्ट करना चाहता था ऐसे हालातों पर शिवाजी महाराज ने मुगलों को चुनौती देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने अपने साहस और रणनीति से यह सिद्ध कर दिया कि मातृभूमि की रक्षा के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति ही सबसे बड़ी शक्ति होती है।

समाचार संक्षेप

व्यापारियों ने पॉलीथिन मुक्त व कपड़े का थैला उपयोग का दिया संदेश

कवर्धा,21 फरवरी (तछस.)। कबीरधाम जिले में कवर्धा , बोड़ला , सहसपुर लोहारा , इंदौरी , पोंड़ी , कुंडा , पंडरिया सहित गांवों में फल केला , सेव , अंगूर संतरा ,, सब्जी आलू प्याज टमाटर , नाश्ता , चीनी , दाल आसानी से ग्राहकों को पॉलीथिन (प्लास्टिक थैला) में मिल जाती है ओर ग्राहकों में भी कपड़े का थैला लेकर मार्केट में जाने की आदत कम होती हुई दिख रही है । सड़कों , नालियों में भी पॉलीथिन खूब दिखती है । जिला प्रशासन भी प्लास्टिक मुक्त अभियान पर ध्यान नहीं दे रही है जो की चिंतनीय विषय है । कबीरधाम जिले में होली समीप है और खूब मार्केटिंग होगी जिला प्रशासन को कपड़े का थैला अभियान पर ध्यान देना चाहिए । भोरमदेव शक्कर कारखाना पूर्व डायरेक्टर लक्की चंद्रवंशी , बिजनेसमैन चंद्रशेखर चंद्रवंशी , बिजनेसमैन आनंद चंद्रवंशी, बिजनेसमैन संजय जायसवाल, बिजनेसमैन दीपक चंद्रवंशी ने सभी ग्राहकों से विनम्र अपील की मार्केटिंग करते समय कपड़े का थैला अवश्य रखे क्योंकि पॉलीथिन का ज्यादा प्रयोग स्वच्छता , पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ता है और गो माता भी कभी कभी खा लेती है तो बीमार पड़ जाती है । समाज के सभी नागरिकों का कर्तव्य होना चाहिए की होली समीप है और मार्केटिंग करने जाए तो कपड़े का थैला लेकर पिचकारी , मिठाई , रंग , गुलाल , सब्जी और कपड़े या राशन खरीदे और पॉलीथिन का प्रयोग नहीं करें ऐसी सोच होनी चाहिए ।

हेमंत को मिला आईएसई एक्सीलेंस अवॉर्ड

भिलाई, 21 फरवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा को इस्पात उद्योग में सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आईएसई एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। हेमंत कुमार वर्मा को ब्लास्ट फर्नेस परिचालन क्षेत्र में सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति विकसित करने तथा दुर्घटना निवारण हेतु सक्रिय एवं प्रभावी उपायों के सफल क्रियान्वयन के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ बनाने, जोखिमों की पूर्व पहचान एवं नियंत्रण के उपायों को संस्थागत रूप देने तथा कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति सजगता और उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

निगम ने उपलब्ध कराया नि:शुल्क एम्बुलेंस एवं स्वर्ग रथ की सुविधा

भिलाई, 21 फरवरी। नगर निगम द्वारा शहरवासियों की सुविधा और आपातकालीन परिस्थितियों में सहयोग हेतु नि:शुल्क एम्बुलेंस एवं स्वर्गरथ सेवा संचालित की जा रही है। निगम प्रशासन का उद्देश्य है कि नागरिकों को कठिन समय में त्वरित और नि:शुल्क सहायता उपलब्ध कराई जा सके। निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार नागरिकों के मांग पत्र अथवा मौखिक अनुरोध पर एम्बुलेंस एवं स्वर्ग रथ वाहन उपलब्ध कराया जाता है। शहर के किसी भी परिवार में यदि कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो और उसे अस्पताल पहुंचाने की आवश्यकता हो, तो निगम द्वारा नि:शुल्क एम्बुलेंस सुविधा प्रदान की जाती है। इसी प्रकार, किसी परिवार में सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में अंतिम संस्कार के लिए स्वर्गरथ वाहन भी नि:शुल्क व्यवस्था की जाती है। यह सेवा विशेष रूप से जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए राहत का माध्यम बन रही है।

निगम के संचालित वाहनों को पेट्रोल पंप से दिया जाता है ईंधन

भिलाई, 21 फरवरी। नगर पालिक निगम भिलाई में संचालित विभिन्न शासकीय वाहनों के लिए ईंधन की व्यवस्था निर्धारित प्रक्रिया के तहत की जाती है। निगम प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन आवश्यकतानुसार डीजल एवं पेट्रोल अधिकृत पेट्रोल पंपों से प्राप्त किया जाता है। निगम के जोन कार्यालय, 77 एमएलडी, उद्यान विभाग, मुख्य कार्यालय सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा आवश्यकतानुसार ईंधन पर्ची जारी की जाती है। संबंधित वाहन चालक पर्ची के माध्यम से पेट्रोल पंप से ईंधन प्राप्त करते हैं। पेट्रोल पंप द्वारा प्रदत्त ईंधन का देयक एकत्रित कर भुगतान हेतु वाहन शाखा को भेजा जाता है। वाहन शाखा की भूमिका केवल भुगतान प्रक्रिया के लिए नस्ती अग्रेषित करने तक सीमित रहती है। वाहन शाखा द्वारा सीधे तौर पर वाहनों को ईंधन प्रदाय नहीं किया जाता है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूरी प्रक्रिया नियमानुसार एवं अभिलेखीय व्यवस्था के तहत संचालित की जाती है।

दिव्यांग शिविर में 153 हितग्राही चिन्हांकित

दुर्ग, 21 फरवरी । एनटीपीसी-सेल कंपनी लिमिटेड के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) योजना तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (भारत सरकार का उपक्रम) सहायक उपादान केन्द्र प्लांट नं. 40 एवं 106, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर (म.प्र.) एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 20 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत दुर्ग छ.ग. के सभागार में दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण हेतु चिन्हांकन/मूल्यांकन तथा परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण से मिली जानकारी अनुसार शिविर में 197 हितग्राही सम्मिलित हुए जिसका परीक्षण उपरान्त 153 पात्र हितग्राहियों को सामग्री हेतु चिन्हांकित किया गया है। उक्त चिन्हांकन/मूल्यांकन तथा परीक्षण शिविर में सुश्री प्रिया साहू, सभापति जिला पंचायत दुर्ग, श्री लोमेश चन्द्राकर एवं श्री गोकुल वर्मा, सभापति जनपद पंचायत दुर्ग श्री देवनारायण चन्द्राकर, पार्षद एवं लोक कर्म प्रभारी, नगर पालिक निगम दुर्ग, श्री हितेश देशमुख, विधायक प्रतिनिधि एवं श्री ए.पी. गौतम, उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग दुर्ग एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

एसीसीयू की संयुक्त टीम ने 290 मकानों की तलाशी ली

दुर्ग,21 फरवरी (तछस.)। दुर्ग पुलिस ने संदिग्ध स्थानों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध तड़के 4 से 8 बजे तक सर्च अभियान चलाकर भिलाईनगर जोन थाना पुलिस एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने 290 मकानों की तलाशी ली एवं 25 किरायेदारों का सत्यापन किया। वहीं सशक्त ऐप के माध्यम से 155 वाहनों की जांच की। इसमें 1 चोरी एवं 4 संदिग्ध मोटर साइकिल बरामद किया है पुलिस प्रवक्ता एएसपी मणिशंकर चन्द्रा ने बताया कि अपराध नियंत्रण एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से भिलाई नगर जोन अंतर्गत संयुक्त पुलिस टीम ने विशेष सर्च अभियान चलाया गया अभियान के दौरान दीनदयाल कॉलोनी खम्हरिया, स्मृति नगर क्षेत्र में 290 मकानों की तलाशी ली गई। बाहरी राज्यों जिलों से आकर किराये से निवास कर रहे 25 व्यक्तियों का फिंगर प्रिंट एवं सत्यापन किया गया और सशक्त ऐप के माध्यम से कॉलोनी परिसर में खड़े 155 वाहनों की जांच की। इसमें 05 दोपहिया वाहन संदिग्ध पाए गए विधिवत जांच के दौरान थाना पुलगांव के धारा 303 (2) बीएनएस में चोरी गई हीरो होंडा मोटर साइकिल बरामद की गई। शेष 4 संदिग्ध मोटर साइकिल सत्यापन के लिए थाना लाकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गांजा तस्करी करते बाप-बेटा सहित तीन गिरफ्तार

भिलाई 21 फरवरी। पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसते हुए ड्रीम सिटी के एक मकान में दबिश देकर ओडिशा के गांजा तस्कर बाप-बेटे समेत भिलाई के तीन खरीददारों को गिरफ्तार किया है आरोपियों के कब्जे से 09.292 किलोग्राम गांजा एवं 1050 नग प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद किया है अपराध में प्रयुक्त 6 मोबाइल, 1 कार एवं 1 मोटर साइकिल जब्त की है छावनी सीएसपी प्रशांत कुमार पैकरा ने बताया कि थाना पुरानी भिलाई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ड्रीम सिटी पुरानी भिलाई स्थित एक मकान में 5 व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा एवं प्रतिबंधित नशीली दवाइयों का संग्रहण एवं विक्रय कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर छापा मारा। मौके पर उपस्थित अब्दुल लतीफ (57 साल) निवासी सरगीगुड़ा, थाना टिटलागढ़, जिला बलांगीर (ओडिशा), अब्दुल आकीफ (21 साल) सरगीगुड़ा, निवासी थाना टिटलागढ़, जिला बलांगीर (ओडिशा), प्रिंस कुमार (37 साल) निवासी जोन-02, खुर्सीपार, जितेन्द्र सिंह (38 साल) निवासी जोन-02, खुर्सीपार व बाबू अली (38 साल) निवासी एकता नगर, खुर्सीपार से पूछताछ एवं तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से कुल 09.292 किलोग्राम गांजा (कीमत लगभग 1,20,000 रुपये), 1050 नग प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल (कीमत लगभग 4,20,000 रुपए), 6 नग मोबाइल, नगद राशि 2,44,000 रुपये, 1 हुंडई कार एवं 1 मोटर साइकिल जब्त किया गया। जब्त समस्त सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य 12,43,000/- रुपये है। इस प्रकरण में थाना पुरानी भिलाई में धारा 20 (ख), 22 (सी), 27 (क), 8 नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को गिरफ्तार कर किया है।

मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई 21 फरवरी। भिलाई इंजीनियरिंग पार्क रोड पर मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने वाले दो आरोपियों को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से कुल 1.90 किलोग्राम गांजा जब्त किया है पुलिस आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि इंजीनियरिंग पार्क रोड के पास दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु रखकर ग्राहक की तलाश कर रहे हैं सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम हरिशंकर यादव उर्फ जुगनू (23 साल) एवं रविन्द्र कुमार (24 साल) निवासी खुर्सीपार बताया तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 1.90 किलोग्राम गांजा, अनुमानित कीमत 95 हजार रुपए आंकी गई है मामले में थाना पुरानी भिलाई में धारा 20 (ख), 27 (क) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है ।

लालपुरकला में परियोजना स्तरीय महिला जागृति शिविर का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 21 फरवरी। सेक्टर रवेली के लालपुरकला में परियोजना स्तरीय महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती छैली चंद्रवंशी जी, एवं जनप्रतिनिधिगण, परियोजना अधिकारी श्रीमती विवेका हैरिस जी, पर्यवेक्षक श्रीमती राजकुमारी मांग्रे , सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अल्का बर्वे,चाइल्ड हेल्पलाइन से श्री महेश निर्मलकर , भारती धुर्वे जी , अधिकांश संख्या में ग्रामीण महिलाएं, किशोरी बालिकाएं, कार्यकर्ता सहायिकाएं उपस्थित हुए, शिविर में उपस्थित महिलाओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी व बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत बालविवाह प्रतिषेध अधिनियम के बारे मे उपस्थित महिलाओं किशोरी बालिकाओं को जागरूक किया गया। किशोरी बालिकाओं द्वारा स्वागत नृत्य व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम के गाने पर नृत्य प्रस्तुती दी गई। सेक्टर रवेली की कार्यकर्ताओं के बीच पोषण भी पढ़ाई भी थीम पर टी एल एम व पौष्टिक खाद्य सामग्रियों का स्टाल डेकोरेशन का पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें सभी पंचायत की कार्यकर्ताओं द्वारा स्टाल सजाकर संतुलित व पौष्टिक आहार व टी एल एम सामग्रियों का प्रचार प्रसार किया।कार्यक्रम में शामिल अतिथियों द्वारा महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया एवं वजन त्यौहार में आए दो स्वस्थ बच्चों को हमर स्वस्थ लईका उनके पालकों को परवरिश के चैम्पियन टाइटल से सम्मानित कर उन्हें पुरस्कृत किया गया।प्रतियोगिता में भाग लिए महिलाएं,किशोरी बालिकाएं एवं स्टाल डेकोरेशन में विजेता पंचायत की कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया गया।

महिला कमांडो सिविल डिफेंस प्रशिक्षण एवं प्रेरणा सम्मेलन आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई 21 फरवरी। अंडा थाना परिसर में महिला कमांडो के लिए सिविल डिफेंस प्रशिक्षण एवं प्रेरणा सम्मेलन आयोजित किया अंडा एवं आसपास के लगभग 40 ग्रामों से 500 से अधिक महिला कमांडो ने सहभागिता की प्रशिक्षण सत्र में एसडीआरएफ टीम ने प्राकृतिक आपदा बाढ़, आगजनी भूकंप जैसी परिस्थितियों में प्राथमिक प्रतिक्रिया, घायलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की विधि आग से बचाव के उपाय, प्राथमिक उपचार एवं सामूहिक समन्वय की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया कार्यक्रम में महिला सुरक्षा संबंधी विधिक प्रावधान, साइबर अपराध से बचाव सामुदायिक पुलिसिंग, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा नशा मुक्ति अभियान की रणनीति पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया महिला कमांडो को अपने-अपने ग्राम में जागरूकता अभियान संचालित कर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग के लिए प्रेरित किया गया दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल ने कहा कि महिला कमांडो ग्रामीण समाज में जागरूकता एवं सुरक्षा की सशक्त आधारशिला हैं उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त महिला कमांडो आपदा की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान कर सकती हैं तथा नशा मुक्ति एवं महिला सुरक्षा जैसे अभियानों को ग्राम स्तर तक प्रभावी बना सकती हैं। उन्होंने प्रत्येक ग्राम में कानून के प्रति सम्मान, सामाजिक समरसता एवं सुरक्षा का वातावरण निर्मित करने पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी महिला कमांडो ने सशक्त नारी सशक्त छत्तीसगढ़ एवं नशा मुक्त समाज सुरक्षित समाजह्व का सामूहिक संकल्प लिया इस आयोजन में एसडीओपी धमधा डॉ. चित्रा वर्मा, एसडीओपी पाटन अनुप लकड़ा, जिला सेनानी नगर सेना नगेंद्र सिंह, अंडा प्रभारी पारस ठाकुर, पुलगांव प्रभारी, अंजोरा प्रभारी, थाना अंडा स्टाफ, महिला डेस्क टीम शामिल थे ।

अधिकारी प्रशिक्षण को गंभीरता से लेवें: कलेक्टर

दुर्ग, 21 फरवरी। जनगणना 2027 हेतु दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 20 फरवरी 2026 को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री अभिजीत सिंह के उद्बोधन द्वारा किया गया। उन्होंने जनगणना को एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए सभी चार्ज अधिकारियों को गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करने निर्देशित किया। प्रशिक्षण में जनगणना के संयुक्त संचालक श्री अशोक मिश्रा द्वारा जनगणना पदाधिकारियों की भूमिका और कानूनी प्रावधान, कोष प्रबंधन, सीएमएमएस पोर्टल के संबंध में जानकारी दी गई।

फेंसिंग के कारण रिसाली क्षेत्र में सफाई कार्य बाधित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रिसाली,21 फरवरी। शिवपारा स्टेशन मरोदा स्थित सुलभ शौचालय के सामने लगाए गए फेंसिंग तार को हटाने के लिए नगर निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा जल्द ही भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन को पत्र लिखेंगी। फेंसिंग के कारण क्षेत्र में सफाई कार्य बाधित हो रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महापौर शशि सिन्हा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान शिवपारा स्टेशन मरोदा पहुंचीं, जहां नागरिकों ने उन्हें अवगत कराया कि नंदी चौक के आगे स्थित सुलभ शौचालय के पास अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से बीएसपी द्वारा फेंसिंग तार लगाया गया है। इस कारण झाड़ियों और नालियों में जमा मलबे की सफाई नहीं हो पा रही है तथा गंदे पानी की निकासी भी अवरुद्ध हो रही है। नागरिकों की शिकायत पर महापौर ने आश्वासन दिया कि वे शीघ्र ही बीएसपी प्रबंधन को पत्र लिखकर फेंसिंग हटाने का आग्रह करेंगी, ताकि सफाई कार्य सुचारू रूप से किया जा सके। उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद गजेन्द्री कोठारी को भी इस संबंध में पृथक पत्र लिखने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान महापौर ने वार्ड में सफाई व्यवस्था का विशेष निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई दरोगा से नियमित कार्यों की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में सफाई व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षेत्रवासियों ने महापौर को अवगत कराया कि शीतला तालाब के पास शाम के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होता है, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। नागरिकों ने नियमित पुलिस पेट्रोलिंग की मांग की। इस पर महापौर ने संबंधित विभाग से समन्वय कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त नागरिकों ने शीतला सरोवर क्षेत्र में अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था तथा सुलभ शौचालय में समुचित रोशनी की व्यवस्था कराने की मांग भी रखी। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य अनिल देशमुख, संजू नेताम, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, रेखा देवी, उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, राजस्व विभाग प्रभारी अधिकारी योगेश सुरे, जल कार्य विभाग के गोपाल सिन्हा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सफाई और सुविधाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं:आयुक्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 फरवरी । आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 अंतर्गत सेक्टर-6 क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री प्रतीक्षालय, उद्यान एवं टेनिस कोर्ट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई एवं रखरखाव कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एम.जी.एम. स्कूल के समीप स्थित यात्री प्रतीक्षालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पाया कि यात्रियों के बैठने हेतु लगाई गई कई कुर्सियां क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मरम्मत कराने और आवश्यकतानुसार नई कुर्सियां लगाने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सेक्टर-6 स्थित बम्लेश्वरी मंदिर के पास बने उद्यान का अवलोकन करते हुए आयुक्त ने साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों के टहलने और बैठने के लिए उद्यान का वातावरण स्वच्छ और व्यवस्थित होना चाहिए। नियमित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। समीपस्थ टेनिस कोर्ट का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता प्रिया करसे, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, स्वच्छता निरीक्षक सूर्या, सुपरवाइजर मनीष चौधरी, वेंकट सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थलों की नियमित निगरानी की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जर्जर सात नंबर रोड बना हादसों का कारण, केनाल गेट पर वाहन पलटा, चालक घायल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 21 फरवरी। जेपी सीमेंट प्लांट के सामने स्थित सात नंबर रोड इन दिनों अत्यंत जर्जर स्थिति में है। यह सड़क प्लांट में आने-जाने का मुख्य मार्ग है, लेकिन लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं। आए दिन छोटे-बड़े वाहन असंतुलित होकर पलट रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। कई वाहन चालकों को गंभीर चोटें भी आ चुकी हैं। इसी क्रम में रविवार रात केनाल गेट के पास एक खाली वाहन पलट गया। वाहन लोड लेने के लिए केनाल गेट की ओर जा रहा था, तभी सड़क की खराब स्थिति के कारण वह एक ओर झुक कर पलट गया। इस दुर्घटना में चालक घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि सड़क की स्थिति ठीक होती तो यह हादसा टाला जा सकता था। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क पर कहीं भी समुचित स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं है। न तो पर्याप्त प्रकाश की सुविधा है और न ही किसी प्रकार की बैरिकेडिंग या चेतावनी संकेतक लगाए गए हैं, जिससे रात के समय वाहन चालकों को मार्ग स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। दिन के समय सड़क की खराब और टूटी सड़क दिखाई दे जाती है, लेकिन रात में अंधेरे के कारण स्थिति अत्यंत खतरनाक हो जाती है। बारिश के दिनों में पानी भर जाने से गड्ढे पूरी तरह छिप जाते हैं, जिससे हादसों की संभावना और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण के समय सुरक्षा मानकों का उचित ध्यान रखा गया होता और प्रकाश व सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए गए होते, तो ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता था। क्षेत्रवासियों ने तत्काल सड़क की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट लगाने और समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचाव किया जा सके।

विश्वास निर्माण गौरव विष्णु का सुशासन
समावेशी विकास और जनकल्याण का आधार

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

महिला सशक्तीकरण

महतारी वंदन योजना
68.39 लाख महिलाओं को 24 किस्तों में कुल ₹15,588.36 करोड़ अंतरित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
37 लाख से अधिक महिलाएं लाभांवित

महतारी सदन
368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु ₹108.78 करोड़ स्वीकृत

युवा सशक्तीकरण

आयु सीमा
सरकारी नौकरियों में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

पदों पर भर्ती
लगभग 32,000 रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

उद्यम क्रांति योजना
स्वरोज़गार के लिए 50% सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण

किसान कल्याण

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
26 लाख किसान लाभांवित

धान
₹3100/क्विंटल और 21 क्विंटल/एकड़ की दर से धान खरीदी

बैंक राशि
दो वर्षों में किसानों के खातों में ₹1.50 लाख करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

औद्योगिक विकास

नई औद्योगिक नीति लागू
₹7.83 लाख करोड़ से अधिक का मिला निवेश प्रस्ताव

औद्योगिक हब
नया रायपुर बन रहा औद्योगिक हब

चिप यूनिट
₹1100 करोड़ की लागत से चिप यूनिट स्थापित

26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत

400 से अधिक प्रशासनिक सुधार से निवेश की राह आसान

पारदर्शिता लाने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन

₹51,080 करोड़ से रेल परियोजनाओं का हो रहा क्रियान्वयन

₹40 हज़ार करोड़ से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का हो रहा विकास

संवाद-46967/135

सरल, सहज और उदार व्यक्तित्व वाले माननीय मुख्यमंत्री
श्री विष्णु देव साय जी को हार्दिक शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

खाते में नगद पैसा किसको बुरा लगता है...

कहावत है कि घर आई लक्ष्मी को कौन ठुकराता है। घर आई लक्ष्मी का तो हर कोई स्वागत करता है और उम्मीद करता है कि ज्यादा से ज्यादा लक्ष्मी घर आनी चाहिए। जनता के खाते जितना नगद पैसा आता है उसको भी उतना ही अच्छा लगता है। अब तो अच्छी सरकार वही मानी जाती है जो जनता की जेब में ज्यादा नगद पैसा डालती है। वह जमाना गया जब सरकार जनता को योजना बनाकर फायदा पहुंचाया करती है। अब तो डिजिटल युग है,दिल्ली से या राज्य की राजधानी से नगद पैसा डालो और वह सीधे जनता के खाते में पहुंच जाता है। खाते मे पैसा आता है जनता को अच्छा लगता है, सरकार को भी यह बताते हुए अच्छा लगता है कि उसने कितने महिलाओं के खाते में कितना पैसा डाला है। किसानों के खाते में कितना पैसा डाला है,मजदूरों के खाते में कितना पैसा डाला है ।सरकार हर महीने पैसा जनता के खातों में डालती रहती है और अच्छी सरकार बनी रहती है। जो दल सत्ता में है वह इसलिए पैसा खातों में डालता रहता है कि चुनाव के दौरान वादा किया गया था ।जनता ने उनके वादे पर यकीन कर सत्ता सौंपी है तो वादा तो पूरा करना पड़ेगा। वादा पूरा नहीं किया नहीं किया को अगली बार जनता सत्ता से बाहर कर देगी। एक बार सत्ता में आने के बाद कोई राजनीतिक दल सत्ता से बाहर नहीं जाना चाहता है इसलिए जो सत्ता में हैं, वह सत्ता में रहने के लिए जनता को पैसा देते रहते हैं और जो लोग सत्ता में फिर से आना चाहते हैं वह चुनाव के पहले जनता से फिर वादा करते हैं कि वह सत्ता में आए तो और कितना पैसा जनता के खाते में डालेंगे ।तमिलनाडु में द्रमुक की सरकार है, वह सत्ता में रहते तो जनता के खाते में सहायता के नाम पर पैसा डाल रही है। इसी साल चुनाव है फिर से सत्ता में आना है इसलिए मंत्री ने चुनाव के पहले महिलाओं को बता दिया कि सरकार ने उनके खाते में एकमुश्त पांच हजार रुपए डाल दिए हैं। इसमें तीन हजार रुपए तीन माह की मासिक सहायता है और दो हजार रुपए ग्रीष्मकालीन विशेष पैकेज के रूप में दिया गया है। पं.बंगाल में सरकार युवाओं को युवा साथी नगद योजना के तहत शिक्षित बेरोजगारों को १५०० रुपए देने की योजना बनाई है। बिहार में सरकार ने इसी तरह महिलाओं के खाते में एक मुश्त दस हजार रुपए चुनाव के पहले डाले थे तो कांग्रेस सहित विपक्ष के नेताओं ने इसका विरोध किया था।अब विपक्ष शासित राज्य तमिलनाडु व पं. बंगाल में वही किया जा रहा है तो विपक्ष के किसी नेता यह बुरा नहीं लग रहा है। जनता को नगद पैसा देना राजनीतिक दलों को बुरा नहीं लगता है हर राजनीतिक मानता है कि सत्ता हासिल करनी है तो जनता को नगद पैसा देना होगा। जनता को नगद पैसा देने पर ही चुनाव में जीत मिलती है। कई राज्यों में राजनीतिक दलों को जीत मिली है इसलिए जो राजनीतिक दल सत्ता में है वह राजनीतिक चुनाव जीतने के लिए जनता से नगद पैसा देने का वादा कर रहे हैं ।तमिलनाडु सरकार का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो जिसमें राज्य सरकार जनता को चुनाव के पहले मुफ्त बिजली देना चाहती है तो सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार सहित सभी राज्य सरकारों को फटकार लगाई है कि इस तरह मुफ्त खाना, मुफ्त बिजली देते रहेंगे तो विकास के लिए पैसा कहां से बचेगा ।सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को याद दिलाया है कि देश के ज्यादातर राज्य तो पहले से घाटे में है। फिर भी विकास को छोड़कर मुफ्त सुविधाएं और नगद पैसे बांट रहे हैं ।जो लोग भुगतान नहीं कर सकते उन्हें सहायता देना समझ मे आता है लेकिन अमीर गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ्त सुविधा देने गलत नीति है। यह बात तो राजनीतिक दल भी जानते हैं लेकिन उनको चुनाव के पहले सबका वोट चाहिए इसलिए वह सबको देने का वादा करते हैं, चुनाव के बाद वह नियम व शर्तें लगाकर लोगों की संख्या कम करने का प्रयास करते हैं। .ऐसा कई राज्यों में हो चुका है। फिर भी जिन लोगों को नगद पैसा मिलता है, उनकी संख्या लाखों से लेकर एक दो करोड़ तो होती ही है। यह सच है कि इससे राज्य का विकास प्रभावित होता है लेकिन यह भी सच है कि राजनीतिक दल सत्ता में आने के बाद खूब भ्रष्टाचार करते है अपने लिए, परिवार के लिए और पार्टी के लिए भी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट फटकार लगाता है तो लगाते रहे राजनीतिक दलों को पहले इस तरह की फटकार का कोई असर हुआ है और न भविष्य में होने वाला है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा

सुनील कुमार महला

21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ

विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने,भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के क्रम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्कृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-'यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है।' बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरुआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्कृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरुआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कई छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था ।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम क्रमशः 'सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं'(वर्ष 2025 की थीम) तथा 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़'(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरुआती शिक्षा(विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाई पहचान और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं। इसी सोच को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से जागरूकता फैलाता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर आज वैश्विक और स्थानीय स्तर पर गहरी चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, स्मृति और पहचान की संवाहक होती है। जब एक मातृभाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ सदियों का पारंपरिक ज्ञान और अद्वितीय विश्वदृष्टि भी लुप्त हो जाती है।इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है। इतना ही नहीं,यूनेस्को के ही अनुसार, विश्व की लगभग 6,000 से अधिक भाषाओं में से करीब 43% लुप्तप्राय की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की आधी भाषाएँ गायब हो सकती हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्थिति की बात करें तो पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया' के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में भारत ने अपनी लगभग 250 भाषाएँ खो दी हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 196 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें यूनेस्को ने 'असुरक्षित' या 'लुप्तप्राय' माना है। यह चिंताजनक बात है कि आज के समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़त बनाने की होड़ में 'अंग्रेजी' जैसी भाषाओं का प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसके कारण नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से कट रही है। आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो, तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50% से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। हालांकि स्थानीय भाषाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से पिछड़ी हुई मातृभाषाओं के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है क्योंकि वे डिजिटल युग की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं। हालांकि,भाषाओं के संरक्षण के लिये अनेक वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था तथा वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गई यूलु उद्घोषणा, भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं,भारत ने स्वदेशी (मातृ) भाषाओं की रक्षा, संवर्धन और प्रसार के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। देश की भाषाई विविधता उसकी सांस्कृतिक पहचान का आधार है, इसलिए सरकार और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य कर रही हैं।भारत सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। मसलन,केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर भारत में भाषाओं के संरक्षण, शोध, प्रशिक्षण और दस्तावेज़ीकरण का प्रमुख केंद्र है। यह लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण पर भी कार्य करता है।शास्त्रीय भाषाओं के संरक्षण(संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओड़िया आदि) के लिए अध्ययन और शोध के लिए विशेष विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित किए गए हैं, जिससे उनकी परंपरा सुरक्षित रहे। इतना ही नहीं,सरकार ने राष्ट्रीय अनुवाद मिशन और भाषिणी जैसी परियोजनाएँ भी शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाना और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनका उपयोग बढ़ाना है।भाषिणी पहल के माध्यम से एआई आधारित भाषा उपकरण विकसित किए जा रहे हैं। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है, जिससे उन्हें प्रशासनिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक संरक्षण मिलता है। यह भाषाई विविधता की रक्षा का एक मजबूत आधार है। आज भाषाओं को सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।लोकभाषाओं और बोलियों के उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं, साहित्य सर्जन पुरस्कारों की भी व्यवस्था हमारे यहां है। अंत में यही कहूंगा कि मातृभाषा का संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत और सामाजिक कर्तव्य भी है। अपनी जड़ों को बचाए रखने के लिए हम अपने दैनिक जीवन में कई छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम उठा सकते हैं। मातृभाषा संरक्षण के लिए हमें यह चाहिए कि हम व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास करें। घर-परिवार में संवाद मातृभाषा में करें।अपनी भाषा की कहानियाँ, कविताएँ और लोकगीत पढ़ें और सुनें। बच्चों को उनकी मातृभाषा में लोरी और कहानियाँ सुनाने से भाषा के प्रति उनका भावनात्मक लगाव बढ़ता है।

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। दोपहर तक आपको अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा मौका ही न दें। आपकी प्रतिभा मान-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे। इस राशि के जो लोग विज्ञान से जुड़े हैं, आज उन्हें किसी नयी खोज में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बीतेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा, एग्जाम से रिलेटेड शुभ समाचार मिल सकता हैं । आज जीवनसाथी आपके कार्यों में सहयोग करेंगे। माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज कार्य स्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करें। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। अनजान व्यक्ति आपका फायदा उठा सकता है, थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें। आज का दिन दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में बीतेगा आप उसके साथ बाहर जा सकते है जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी। परिवार के साथ रात का डिनर बाहर करने का मन बनायेंगे। इंजीनियरिंग के स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है, उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। आज पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। लोगों का भरोसा आप पर बना रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या राशि : आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा । आज आप पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं । आज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी । आगे बढने के लिए आप कुछ नया सीखेंगे। इस राशि के जो लोग सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के नये अवसर प्राप्त होंगे। आपको सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा, जो आपको सफलता के मार्ग पर एक कदम आगे बढ़ाएगा। माता लक्ष्मी की कृपा आपको प्राप्त होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नये मौके और नये विचार सामने आयेंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे। आज आप ज्यादातर मामलों में खुद को भाग्यशाली महसूस करेंगे। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निजात पाने के लिये घरेलू नुस्खों को अपनाना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा। सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है । इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है । स्वास्थ्य को लेकर आज आप सतर्क रहेंगे। आज कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा। आज के दिन जरूरतमंद को भोजन कराएंगे आपको बेहतर महसूस होगा।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढिय़ा है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियाँ आएँगी। बच्चे आज आपको सरप्राइस देंगे।

मकर राशि : आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनायेंगे, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है । आज आपके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आयेगा, जिससे जीवनसाथी बेहद प्रसन्न रहेंगे। आज व्यापार को गति देने में किसी अनुभवी की सलाह कारगर साबित होगी। वेब डिज़ाइनर के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लवमेट के साथ बाहर डीनर पर जा सकते हो। आज आपका दाम्पत्य जीवन शानदार रहेगा। जीवनसाथी प्रसन्न होने की वजह देंगे। वकील वर्ग के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने के लिए समय बेहतर है। ऑफिसियल यात्रा का कार्यक्रम बन सकता हैं। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी।

शब्द सामर्थ्य -323

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

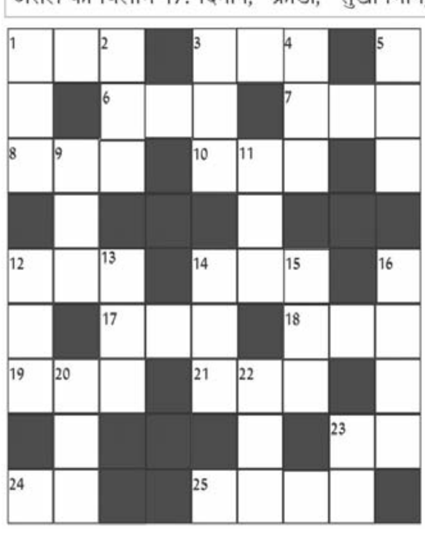

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 322 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

सू- दोकू क्र.323

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.322 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

विशेष आलेख

पत्थरों में दर्ज इतिहास: जहाँ हर पत्थर कहती है एक कहानी

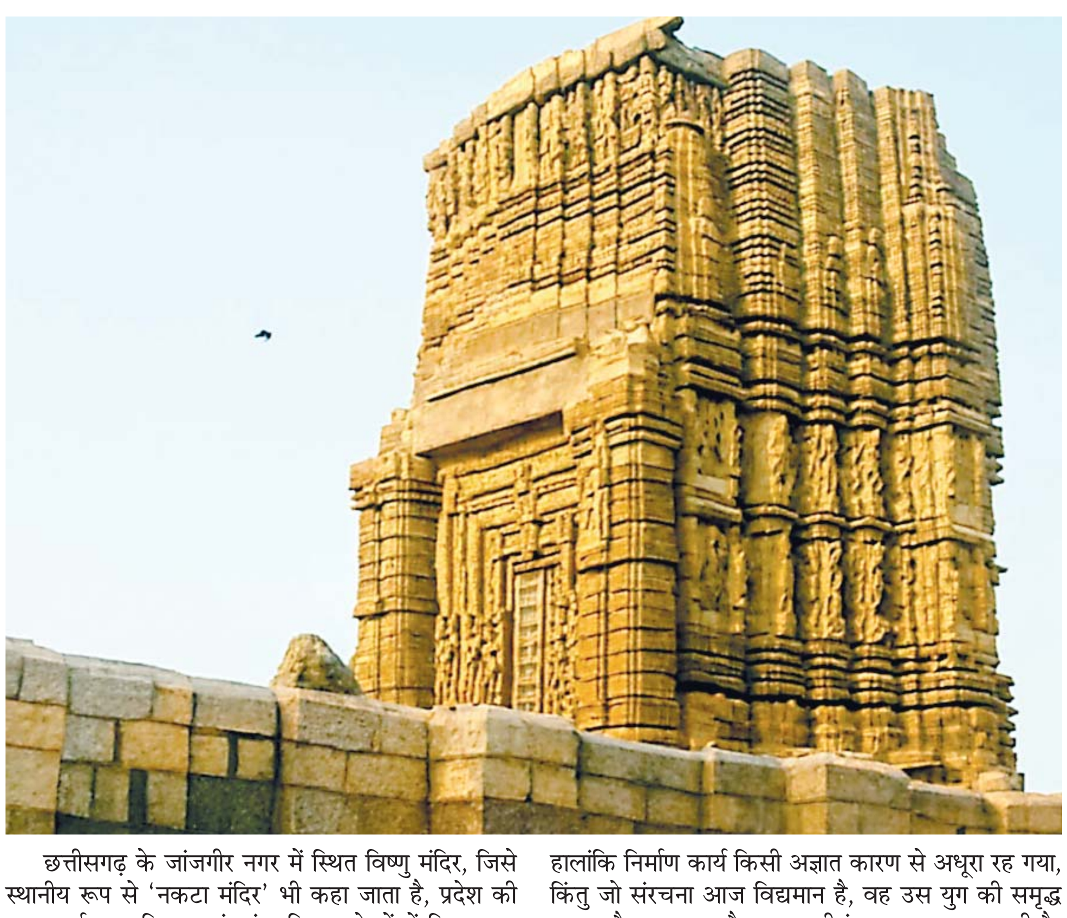

छत्तीसगढ़ के जांजगीर नगर में स्थित विष्णु मंदिर, जिसे स्थानीय रूप से 'नकटा मंदिर' भी कहा जाता है, प्रदेश की महत्वपूर्ण पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक धरोहरों में गिना जाता है। महानदी अंचल की ऐतिहासिक भूमि पर निर्मित यह मंदिर अपनी अधूरी संरचना के कारण सदियों से जिज्ञासा और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

कलचुरी काल की स्थापत्य विरासत

इतिहासकारों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण 11वीं-12वीं शताब्दी में कलचुरी शासकों के काल में प्रारंभ हुआ था। उस समय छत्तीसगढ़ क्षेत्र कला, स्थापत्य और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था। मंदिर की संरचना नागर शैली में निर्मित है, जिसमें ऊँचा शिखर, अलंकृत गर्भगृह तथा सुसज्जित मंडप की परिकल्पना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हालांकि निर्माण कार्य किसी अज्ञात कारण से अधूरा रह गया, किंतु जो संरचना आज विद्यमान है, वह उस युग की समृद्ध कला और स्थापत्य कौशल का जीवंत प्रमाण प्रस्तुत करती है।

अद्वितीय शिल्पकला और सूक्ष्म नक्काशी

मंदिर की दीवारों, स्तंभों और आधार भागों पर की गई बारीक नक्काशी अत्यंत आकर्षक है। इनमें विभिन्न पौराणिक प्रसंग, देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ, गंधर्व, अप्सराएँ और अलंकारिक रूपांकन उकेरे गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मूर्तियों के अनुपात, भाव-भंगिमा और अलंकरण शैली से तत्कालीन शिल्पियों की उच्च कोटि की दक्षता का परिचय मिलता है। प्रत्येक आकृति मानो किसी कथा का दृश्य रूपांतरण हो, जो भारतीय धर्म और संस्कृति की गहराई को अभिव्यक्त करता है।

अधूरापन: रहस्य और किंवदंती

मंदिर के अधूरे रह जाने को लेकर कई मत प्रचलित हैं। कुछ इतिहासकार इसे राजनीतिक अस्थिरता या सत्ता परिवर्तन से जोड़ते हैं, जबकि स्थानीय लोककथाओं में इसे दैवीय संकेत या अलौकिक कारणों से संबंधित बताया जाता है। यद्यपि सटीक कारणों का स्पष्ट प्रमाण उपलब्ध नहीं है, किंतु यही अधूरापन इस मंदिर को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। यह अधूरी रचना भी पूर्ण सौंदर्य का अनुभव कराती है और दर्शकों को इतिहास के उस कालखंड में ले जाती है, जब कला और आस्था का अद्भुत संगम हुआ करता था।

आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र

आज यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का स्थल होने के साथ-साथ पर्यटकों और शोधकर्ताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान में इस मंदिर का विशेष स्थान है। पुरातात्विक महत्व के कारण इसे संरक्षित स्मारक के रूप में देखा जाता है और प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर भी यह महत्वपूर्ण पड़ाव है। मंदिर परिसर में खड़े होकर ऐसा प्रतीत होता है मानो समय ठहर गया हो और पत्थरों में इतिहास बोल रहा हो।

विरासत जो अधूरी होकर भी पूर्ण है

जांजगीर का विष्णु मंदिर यह संदेश देता है कि विरासत

केवल पूर्ण संरचनाओं में ही नहीं, बल्कि अधूरी कहानियों में भी जीवित रहती है। इसकी भव्यता, शिल्प और रहस्य आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते रहेंगे। अधूरा होकर भी यह मंदिर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना में पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित है, और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

एक नजर

चित्रकोट महोत्सव 2026 का समापन, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

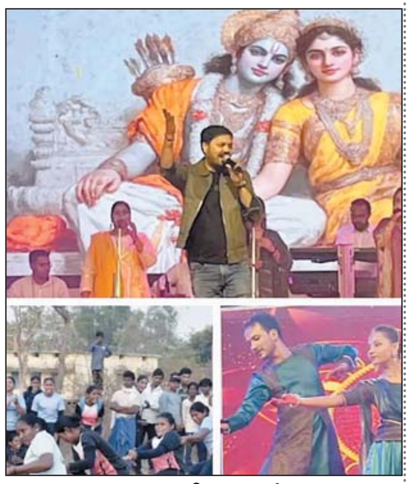

जगदलपुर, 21 फरवरी। चित्रकोट जलप्रपात के तट पर आयोजित चित्रकोट महोत्सव 2026 का गुरुवार देर रात समापन हुआ। अनुज शर्मा की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। अलग-अलग तरह के खेलों का आयोजन और विजेताओं को पुरस्कार का वितरण भी किया गया। अंतिम दिन की शुरुआत स्कूली छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। माध्यमिक विद्यालय पदरगुड़ा, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय लोहंडीगुड़ा एकलव्य आदर्श विद्यालय गढ़िया, पीएमश्री आश्रम शाला बड़े गुमियापाल और कन्या आश्रम अलनार के विद्यार्थियों ने नृत्य-संगीत की शानदार प्रस्तुति दी।चित्रकोट महोत्सव 2026 के आयोजन में बस्तर की आदिम संस्कृति की झलक तब देखने को मिली जब दरभा के कलाकारों ने धुरवा नृत्य, किलेपाल के दल ने पारंपरिक गौरसिंह नृत्य और लामकेर के नर्तकों ने प्रसिद्ध गेड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। मांदर की थाप पर पूरा पंडाल देर तक झूमता रहा। मनोज नाग और साथियों की जनजातीय गीत-नृत्य प्रस्तुति ने बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में ओडिशा डांस ग्रुप और नीरज-तमन्ना के कथक की भी शानदार प्रस्तुति रही। मोहम्मद अनस के पियानो वादन ने भारतीय शास्त्रीय संगीत से वातावरण को सुकूनभरा बना दिया। लोक रंग ग्रुप, जोबिता विश्वास और कोंडागांव के 'रंग पुरैया' दल ने भी अपनी विशिष्ट शैली से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। समापन संध्या का मुख्य आकर्षण रहे छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुपरस्टार और धरसींवा विधायक अनुज शर्मा। मंच संभालते ही उन्होंने अपनी आवाज और चिर-परिचित अंदाज से युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक का दिल जीत लिया। उनके लोकप्रिय गीतों पर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग झूम उठे और देर रात तक चले कार्यक्रम में लोगों की भीड़ रही।

स्कूटी में स्पार्क से शिक्षक के घर में लगी आग

कोंडागांव, 21 फरवरी। जिले के आलबेडा फॉरेस्ट कॉलोनी में बीती रात 9 बजे शिक्षक अजय मरकाम के घर में आग लग गई। यह घटना घर में खड़ी स्कूटी में अचानक स्पार्क होने से हुई, आग इतनी तेजी से फैली कि पार्किंग एरिया और साथ का एक कमरा में रखा फर्नीचर और अन्य सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग की चपेट में आने से स्कूटी के साथ एक बाइक भी पूरी तरह जल गई। मिली जानकारी के अनुसार, जिस स्कूटी में आग लगी, उसे घटना वाले दिन ही सर्विस कराकर घर लाया गया था। शाम के समय उसमें अचानक स्पार्क हुआ, जिससे निकली चिंगारी ने आस-पास रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। परिवार के सदस्य किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे और पड़ोसियों को इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी का छिड़काव शुरू कर दिया। दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई। हालांकि, दमकल के मौके पर पहुंचने से पहले ही मोहल्ले के लोगों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है, और आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में 65 करोड़ 96 लाख रुपए से अधिक के कार्यों का भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 21 फरवरी। जिले के नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों को नई गति देते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने सालेमेटा और घोटिया में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान कुल लगभग 65 करोड़ 96 लाख रूपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें सालेमेटा क्षेत्र के 6276.65 लाख रुपये और घोटिया क्षेत्र के 320.12 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं।

सालेमेटा में सबसे बड़ा कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कोसारटेडा परियोजना की मुख्य नहर के 24 किमी जीर्णोद्धार का है, जिसकी लागत 4132.58 लाख रुपये है। इसके साथ ही कोरारटेडा नाला पर एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना के लिए 402.59 लाख, खण्डसरा क्षेत्र में गिरलकोना एनीकट सह सौर उद्ववहन सिंचाई के लिए 423.68 लाख, मुण्डागुड़ा क्षेत्र में योजना के लिए 421.35 लाख तथा सोलगुड़ा स्टॉपडैम सह सौर उद्वहन निर्माण के लिए 422.41 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। भानपुरी स्थित सिंचाई कॉलोनी में सड़क, नाली, बाउंड्रीवाल, पानी टंकी और पाइपलाइन, क्रीडा परिसर निर्माण हेतु 350.75 लाख रुपये का कार्य भी शामिल है, जबकि पीएमजीएसवाई अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए 98.29 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा छोटे स्तर पर पुलिया निर्माण के कार्य 4.50 लाख, 09 लाख और 11.50 लाख रुपये की लागत से किए जाएंगे। जहां इन सभी कार्यों का कुल योग 6276.65 लाख रुपये है। दूसरे चरण में घोटिया में आयोजित कार्यक्रम में कुल 320.12 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन हुआ। यहां गुनपुर के पास नारंगी नदी पर तटरक्षण कार्य के लिए 298.62 लाख रुपये का प्रावधान है, जबकि हाई स्कूल के पास पुलिया निर्माण हेतु 09 लाख रुपये स्वीकृत हुए। गुड़ीपारा और तिरथा में सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत गुरिया में पानी टैंकर वितरण 2.50 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। जहां विकास कार्यों की कुल लागत 320.12 लाख रुपये है। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सरकार का उद्देश्य दूरस्थ गांवों तक सड़क, सिंचाई और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाकर ग्रामीण जीवन को आसान बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि करोड़ों रुपये के इन कार्यों से किसानों को बेहतर सिंचाई व्यवस्था मिलेगी, आवागमन सुगम होगा और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान मिलेगी। कार्यक्रमों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडावी, श्री संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दिवान सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

परिषद की बैठक में एजेंडे से गायब रहा अतिक्रमण का मुद्दा, चर्चा भी नहीं

अतिक्रमणकारियों पर पालिका का रवैया नरम, नगरीय क्षेत्रों में तेजी से हो रहा सरकारी जमीन पर कब्जा

अतिक्रमण एवं अवैध कब्जों को रोक पाने में नगर प्रशासन असफल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 21फरवरी। तीन महिने बाद 19 फरवरी 2026 को दंतेवाड़ा नपा. परिषद की बैठक संपन्न हुई। इससे पूर्व नवंबर 2025 में परिषद की बैठक हुई थी। बैठक में 52 एजेंडा तैयार किया गया था जिस पर चर्चा हुई। इन 52 एजेंडों में अन्य विषयों पर तो चर्चा हुआ मगरा अतिक्रमण जैसे अहम मुद्दे पर कोई चर्चा हुई ना ही अतिक्रमण विषय को एजेंडे में शामिल ही किया गया। जबकि आज नगरीय क्षेत्रों में सरकारी भूमियों पर अतिक्रमण एक गंभीर एवं बड़ा मुद्दा है। वहीं नगर पालिका परिषद दंतेवाड़ा के लिए यह कोई बड़ी और गंभीर समस्या नहीं लगती शायद यही वजह होगा कि इस मुद्दे को एजेंडें में शामिल करना भी जरूरी नहीं समझा गया। अतिक्रमण नपा के लिए गंभीर मुद्दा हो भी कैसे सकता है क्योंकि यहां तो नपा की अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष स्वयं ही डंके की चोट पर सड़क/नालियों एवं फूटपाथों पर अतिक्रमण करवाने के खेल में संलिप्त रहते हैं। नपा सीएमओ भी इस मुद्दे पर अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के साथ कदमताल करते दिखाई पड़ रहे है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि नपा परिषद दंतेवाड़ा अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर कोई चर्चा चाहती ही नहीं। इसका दुसरा मतलब यह भी समझा जाए कि पालिका अतिक्रमणकारियों का न केवल समर्थन करती है बल्कि उनके साथ भी खड़ी है।

गुरूवार को नगर पालिका परिषद की अहम बैठक रखी गई थी। इस बैठक में सौंदर्यकरण, चौड़ीकरण, हिरण पार्क निर्माण, सीसी सड़क, पुलिया, भवन आबंटन, साफ सफाई, सुलभ शौचालयों का आबंटन, विद्युत पोल/लाइन विस्तार, ट्रांसफार्मर लगाने, उपेक्षित पड़े मंदिरों को संरक्षित करने, रैन बसेरा संचालित करने, टूट-फूट हुए भवनों का जीणोद्वार कार्य, रिक्त दुकानों को किराए पर आबंटन करने, एवं पालिका की खाली पड़े भवनों को लीज पर देने समेत कई अन्य विषयों को एजेंडें में रखा गया था और इस पर चर्चा भी हुई। नगर विकास के लिए आवश्यक विषयों पर चर्चा होनी भी चाहिए। इससे किसी को कोई परेशानी नहीं। दिक्कत लोगों को तब होती है जब नगर में कोई बड़ी एवं जटिल समस्या विद्यमान हो और उस पर चर्चा भी न हो। आज नगर में सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण की है। यह समस्या धीरे धीरे अब नासूर बनता जा रहा है। वहीं इस मुदद‍े पर पालिका परिषद की बैठक में चर्चा न होना, अतिक्रमण और अवैध कब्जों के मुद्दे पर नपा की कथित चुप्पी यह दर्शाता है कि हमारी पालिका अतिक्रमण को लेकर तनिक भी गंभीर नहीं है। नगर पालिका अधिनियम की धारा 181(2) के तहत सड़क/नाली/फूटपाथ एवं सरकारी नजूल भूमि पर अनाधिकृत कब्जा एवं निर्माण हटाने के लिए स्वतंत्र है। बताते चलें कि आज नगर के अलग अलग वार्डो में सरकारी जमीनों पर कब्जा कर अवैध रूप से मकान बनाने एवं प्लाट कब्जाकर बेचने का काम धड़ल्ले से चल रहा है। अतिक्रमण को लेकर हर कोई परेशान एवं चिंतित है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमण का दायरा बढ़ा है वह बेहद डराने एवं चौकाने वाला है। आज नगर का एक बडा हिस्सा अतिक्रमण की चपेट में है। जरूरतमंदों को जमीन व घर मिले इससे किसी को कोई समस्या नहीं। समस्या वहां होती है जब नियम कायदों को धता बताते, सत्ताधारी नेताओं के सह पर गैर कानुनी तरीके से जमीन हथियाने का खेल खेला जाता है। सरकारी जमीनों पर बेजा कब्जा कर उसे उंचे दामों पर डंके की चोट पर खरीदी बिक्री की जाती है और हमारा तंत्र हाथ पर हाथ धरे बैठा रहता है। अतिक्रमण जैसे गंभीर मुददे पर नगर पालिका की खामोशी कई सवालों को जन्म देती है। देखने एवं बोलचाल की भाषा में यह एक सामान्य समस्या भले ही लगती हो मगर इसके दूरगामी परिणाम बेहद घातक एवं गंभीर हो सकते हैं। इसी तेजी से सरकारी जमीनों पर कब्जा करने का खेल अगर चलता रहा तो वो दिन दूर नहीं जब शासन प्रशासन को अस्पताल, आंगनबाड़ी, भवन, स्कूल, आश्रम जैसी आवश्यक जनहित के कामों के लिए जमीनों का टुकड़ा ढुंढे नहीं मिलेगा क्योंकि आबादी तो बढ़ रही है, पर जमीनें नहीं। इस मसले पर समाज के हर वर्ग को गंभीरता से चिंतन मनन करने की आवश्यकता है।

नक्सली सिमटे तो इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों की गणना का काम हुआ तेज, 6 बाघ मिले

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 21 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सली प्रभाव के सिमटने के साथ ही इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों की गणना का काम तेज गति से चलने लगा है, और अब तक की गणना में छह बाघों की मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है। वन विभाग के अनुसार यह अभियान अप्रैल महीने तक चलेगा। वन विभाग ने गश्त बढ़ाने, अवैध शिकार पर निगरानी मजबूत करने और स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया है। ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इससे अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार बाघों की संख्या में और इजाफा दर्ज हो सकता है। वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यदि सुरक्षा और संरक्षण के प्रयास इसी तरह जारी रहे, तो आने वाले वर्षों में इंद्रावती टाइगर रिजर्व फिर से बाघों की मजबूत आबादी वाला क्षेत्र बन सकता है। वाइल्ड लाइफ सीसीएफ स्टाइलो मंडावी कहती हैं, कि अप्रैल में गणना पूरी होने के बाद अंतिम आंकड़े सामने आएंगे, लेकिन शुरुआती संकेत उत्साहजनक हैं।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व लगभग 2799 वर्ग किलोमीटर में विस्तारित देश के महत्वपूर्ण बाघ अभयारण्यों में गिना जाता है। वर्ष 1983 में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। यह रिजर्व अपनी समृद्ध जैव विविधता, घने साल व मिश्रित वन क्षेत्र तथा इंद्रावती नदी के विस्तृत जलग्रहण क्षेत्र के लिए जाना जाता है। यहां बाघों के अलावा तेंदुआ, जंगली कुत्ता (ढोल), गौर, भालू, सांभर, चीतल, वन भैंसा और कई दुर्लभ पक्षी प्रजातियां भी पाई जाती हैं। पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों का प्रभाव रहा, जिसके कारण वन अमले की आवाजाही सीमित थी। ट्रैप कैमरे लगाने, मॉनिटरिंग करने और गश्त बढ़ाने में सुरक्षा चुनौतियां सामने आती थीं। नक्सली प्रभाव के कारण कई कोर एरिया ऐसे थे जहां वनकर्मियों का प्रवेश प्रतिबंधित या जोखिम भरा था। यही वजह रही कि पूर्व में बाघों की सटीक गणना करना कठिन हो गया था। अब सुरक्षा हालात में सुधार के बाद पहली बार नेशनल पार्क एरिया में बेखौफ होकर व्यापक स्तर पर गणना की जा रही है।

वन विभाग ने कोर और बफर जोन में बड़ी संख्या में ट्रैप कैमरे लगाए हैं। पगमार्क विश्लेषण, कैमरा ट्रैप डेटा और डीएनए सैंपलिंग के आधार पर बाघों की पहचान की जा रही है। वन विभाग के अनुसार पिछली पुष्टि में यहां पांच बाघों की मौजूदगी दर्ज की गई थी।

गोली में पांच दिवसीय योग उत्सव संपन्न

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 21 फरवरी। कंगोली में नियमित योग कक्षा द्वारा, पतंजलि योग समिति के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय योग उत्सव का समापन विश्राम दिवस के साथ किया गया। प्रातः मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया और पतंजलि परिवार को शुभेच्छा दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जगदलपुर के महापौर संजय पांडे एवं विशिष्ट अतिथि राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा उपस्थित रहे। ज्ञात हो की पिछले वर्ष 15 स्थानों में 15 जगहो में विराट पतंजलि इंटीग्रेटेड योग शिविरों का आयोजन हीट बस्तर फिट बस्तर के तर्ज पर किया गया था। जिसे नगर के सभी प्रमुख समाज संगठन और जिला व पुलिस प्रशासन ने अपना नेतृत्व प्रदान किया। इस 15 स्थानो में हजारों हजार लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। पतंजलि नियमित योग कक्षा कंगोली की शुरुआत इसी 15 स्थानो में से एक है जिसकी आज एक वर्ष अनवरत निरंतर नियमित योग सत्रों का संचालन चल रहा है। इसकी प्रथम वर्षगांठ के रूप में पांच दिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर का समापन कंगोली साधक भाई बहनों द्वारा किया जा रहा है।

नगर में बढ़ती अवैध गतिविधियों को लेकर जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

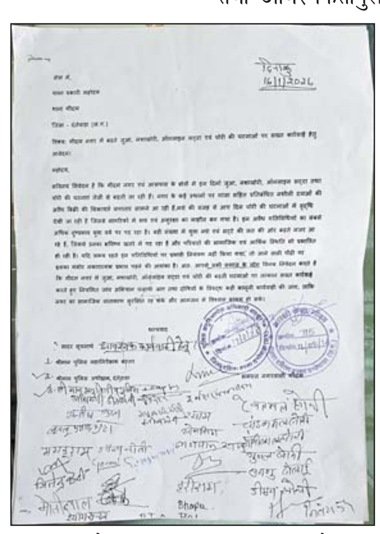

गीदम 21 फरवरी। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में जुआ, नशाखोरी, ऑनलाइन सट्टा और चोरी जैसी गतिविधियों की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर आम नागरिकों के बीच चिंता का माहौल है। समाज के विभिन्न वर्गों का मानना है कि इन गतिविधियों का असर सामाजिक वातावरण पर पड़ सकता है और विशेष रूप से युवा वर्ग प्रभावित हो सकता है। इसी विषय को लेकर विभिन्न समाज के जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में नगर में बढ़ती अवैध गतिविधियों पर रोकथाम के लिए नियमित जांच अभियान चलाने, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने तथा आवश्यकतानुसार उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि नशे और सट्टे की प्रवृत्ति से युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए समय रहते प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है। साथ ही नागरिकों ने प्रशासन से जागरूकता अभियान चलाने और समाज के सहयोग से सकारात्मक वातावरण बनाए रखने की अपील की है। जागरूक नागरिकों का कहना है कि यह विषय केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ी के हित से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिस पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

वर्क फ्राम होम के नाम पर लाखों की ठगी का एक आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 21 फरवरी। जिले की बचेली पुलिस ने वर्क फ्रॉम होम के नाम पर आसानी से पैसा कमाने का झांसा देक 7 लाख 91 हजार 547 रुपए की साइबर ठगी करने वाले आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी भगद अकरम निवासी जिला जामनगर (गुजरात) के विरूद्ध कार्यवाही उपरांत आज शुक्रवार को आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। दंतेवाड़ा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, ओटीपी या बैंक डिटेल साझा न करें। पार्ट टाइम जॉब या टास्क के नाम पर पैसे दोगुना करने के लालच से बचें। किसी भी साइबर फ्रॉड की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं और नजदीकी थाने को सूचित करें।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने बचेली के रहने वाले प्रार्थी और उसके साथियों से 15 मार्च 2025 से 18 जून 2025 के बीच 'टास्क पूरा करने पर रकम डबल' करने का लालच देकर कुल 7 लाख 91 हजार 547 रुपए की धोखाधड़ी की थी। पुलिस के अनुसार, प्रकरण में थाना बचेली में अपराध क्रमांक 29/2025 के तहत धारा 318 (4), 111(1)(3) बीएनएस एवं 66(ड) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके. बर्मन, एसडीओपी कमलजीत पाटले तथा साइबर सेल नोडल अधिकारी डीएसपी ठाकुर गौरव सिंह के पर्यवेक्षण में विशेष टीम गठित की गई। आरोपी सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों से संपर्क कर 'लुक कंपनी' के नाम पर टास्क बेस्ड वर्क फ्रॉम होम ऑफर देता था। शुरुआत में छोटे टास्क पर रकम लौटाकर भरोसा जीतता, फिर बड़ी रकम निवेश कराने के बाद नंबर ब्लॉक कर देता था। साइबर सेल दंतेवाड़ा, थाना गीदम और बचेली की संयुक्त टीम ने 100 से अधिक बैंक खातों के ट्रांजेक्शन का एनालिसिस किया। फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन एनालिसिस और साइबर फॉरेंसिक टूल्स की मदद से आरोपी की लोकेशन जामनगर, गुजरात ट्रेस की गई। गीदम निरीक्षक विजय पटेल के नेतृत्व में टीम गुजरात रवाना हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ के पांचों संभागों में संचालित श्रृंखला का पंचम एवं समापन सोपान

बस्तर संभाग में आईगॉट कर्मयोगी प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 21 फ़रवरी। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार आईगॉट कर्मयोगी कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकारियों की प्रशासनिक क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन आज शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे कलेक्टर कार्यालय जगदलपुर के प्रेरणा सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला की अध्यक्षता कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह द्वारा की गई। राज्य स्तर से विशेष मार्गदर्शन हेतु अवर सचिव सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं नोडल अधिकारी आईगॉट कर्मयोगी अंजू सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने अधिकारियों को विस्तृत, व्यावहारिक एवं प्रेरणादायक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में कलेक्टर बस्तर आकाश छिकारा, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन सहित जिले के राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे, जबकि संभाग के अन्य जिलों के कलेक्टर्स और अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल तौर पर जुड़े रहे।

बस्तर संभाग में आयोजित यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ के पांचों संभागों में संचालित श्रृंखला का पंचम एवं समापन सोपान रहा । इसके साथ ही राज्य स्तर पर संभागीय प्रशिक्षण चरण पूर्ण हुआ तथा अब यह पहल जिला स्तर पर संरचित एवं व्यवस्थित क्रियान्वयन के अगले चरण में प्रवेश कर रही है। संभागीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त मार्गदर्शन, मॉड्यूल संरचना एवं क्रियान्वयन रणनीति को आधार बनाकर अब प्रत्येक जिले में कलेक्टर के नेतृत्व में चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । इन सत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आईगॉट प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने, भूमिका-आधारित एवं विभागीय पाठ्यक्रमों का चयन करने, उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा प्रत्येक कोर्स पूर्ण होने पर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। यह चरण केवल प्रशिक्षण का विस्तार नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्य संस्कृति में स्थायी परिवर्तन की दिशा में एक ठोस कदम है। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक अधिकारी को निरंतर अधिगम से जोड़ना, डिजिटल दक्षता को संस्थागत स्वरूप देना तथा परिणामोन्मुख एवं नागरिक-केंद्रित प्रशासन की आधारशिला को और सुदृढ़ करना है। प्रशिक्षण के प्रमुख विषय आईगॉट प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पंजीकरण, भूमिका-आधारित एवं विभागीय कोर्स का चयन, कोर्स की समयबद्ध पूर्णता एवं सर्टिफिकेट प्राप्ति, प्रगति मॉनिटरिंग एवं निरंतर अधिगम और प्रशासनिक कार्यकुशलता एवं पारदर्शिता में सुधार रहे हैं। यह पहल मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन विकास शील के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य स्तर पर प्रभावी रूप से संचालित हो रही है। वहीं सचिव सामान्य प्रशासन विभाग श्री अविनाश चंपावत द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप मिशन कर्मयोगी का सुदृढ़ क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला में कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने इसे प्रशासनिक संस्कृति में सकारात्मक बदलाव का सशक्त माध्यम निरूपित करते हुए कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्र में यह प्रशिक्षण प्रशासन के कार्यों एवं विकास कार्यों को नई गति देगा। वहीं कलेक्टर बस्तर आकाश छिकारा ने कहा कि समय के साथ स्वयं को अपडेट करना जरूरी है यह क्षमता विकास के साथ दायित्व निर्वहन में सहायक साबित होती है।

एक नजर

जनगणना 2027 हेतु प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित

राजनांदगांव 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण (हाउस लिस्टिंग) के सफल संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह की उपस्थिति में प्रशिक्षण में जनगणना की प्रक्रिया, दायित्वों तथा समय-सीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण में हाउस लिस्टिंग के तहत प्रत्येक मकान का सूचीकरण किया जाएगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की जाएगी। जनगणना का संपूर्ण कार्य मोबाइल ऐप के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना देश और जिले की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है, जिसके आधार पर विकास योजनाओं का निर्माण होता है। इसलिए यह दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे निर्वाचन कार्य की तरह गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ करने के लिए कहा। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने बताया कि यह कार्य पूर्णतः समयबद्ध है तथा निर्धारित अवधि में ही पूर्ण करना होगा। भारत सरकार के निर्देशानुसार इसमें किसी प्रकार का विस्तार नहीं दिया जाएगा। जनगणना की समस्त प्रक्रिया मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप में संपन्न की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनगणना के संबंध में संपूर्ण जानकारी एवं डाटा पूर्णतः गोपनीय होती है तथा किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी का प्रत्यक्ष उपयोग नहीं किया जाता है। इसका उपयोग केवल समग्र जनसांख्यिकीय आंकड़ों के रूप में योजना निर्माण एवं नीति निर्धारण के लिए किया जाता है।

रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैम्प 26 फरवरी को

राजनांदगांव 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र राजनांदगांव में 26 फरवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। उप संचालक रोजगार ने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प में शिव शक्ति एग्रीटेक प्राईवेट लिमिटेड तेलीबांधा रायपुर द्वारा सेल्स रिप्रेसेटेटिव के 6 पद एवं सनसूर श्रृष्टि इंटरप्राजेस बजरंग चौक तुलसीपुर राजनांदगांव द्वारा एचआर के 3 पद, डेवलपमेंट मैनेजर के 5 पद, टीम लीडर के 2 पद, सेल्स एक्सीक्यूटिव के 10 पद, ब्रांच मैनेजर के 7 पद तथा सेफ इंटेलीजेंट सिक्यूरिटी सर्विसेस भिलाई जिला दुर्ग द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड के 20 पद, सिक्यूरिटी सुपरवाईजर के 5 पद, फिल्ड ऑफिसर के 6 पद, मार्केटिंग मैनेजर के 2 पद पर भर्ती की जाएगी। प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने के लिए इच्छुक आवेदकों को शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट साईज फोटो, रोजगार पंजीयन कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

आरएलएम के 43 मास्टर ट्रेनर्स बस्तर रवाना

राजनांदगांव 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत राजनांदगांव जिले में कार्यरत 43 मास्टर ट्रेनरों को बस्तर जिले में खान-पान, पोषण, स्वास्थ एवं स्वछता विषय पर क्षेत्र भ्रमण हेतु रवाना किया गया। बस्तर में समृद्ध बिहान एवं स्वाभिमान परियोजना अंतर्गत मोचो मानगुन एवं आमचो बासुल जैसे पद्धतियों को सीखकर मास्टर ट्रेनर राजनांदगांव जिले में एफएनएचडब्ल्यू, जेंडर, सामाजिक समावेशन एवं पोट्ठ लईका अभियान में बेहतर कार्य कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहा रूझान

राजनांदगांव 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार रूझान बढ़ रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से राजनांदगांव विकासखंड के आदर्श ग्राम पंचायत भोथीपार खुर्द के सरपंच श्री जितेंद्र साहू का घर जगमग हो रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रभावित होकर सरपंच श्री जितेंद्र साहू ने अपने घर में 3 किलोवॉट का रूफ्टॉप सोलर पेनल लगवाया है। जिससे उनका बिजली का बिल शून्य हो गया है। प्रतिमाह बिजली बिल से मुक्ति मिली है। सरपंच श्री जितेंद्र साहू ने बताया कि घर में बिजली के उपयोग के आधार पर पहले प्रतिमाह 1200 रूपए से 1500 रूपए बिजली का बिल आता था। अब यह बिजली बिल शून्य हो गया है तथा अतिरिक्त बिजली का उपार्जन होने पर उसकी राशि प्रदान की जाएगी।

पीएमश्री आत्मानंद स्कूल कुरूद के स्थानांतरण का कांग्रेसियों ने किया विरोध, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद 21 फरवरी। नगर के ऐतिहासिक और सुसज्जित पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के स्थानांतरण की कवायद ने अब राजनीतिक और सामाजिक तूल पकड़ लिया है। न्यायालय तहसीलदार कुरूद द्वारा स्थानांतरण के लिए जारी ईश्तहार प्रकाशन होते ही नगर के पूर्व छात्र और कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोल दिया है।नगर के पूर्व छात्र ने तहसीलदार न्यायालय में औपचारिक रूप से अपनी दावा आपत्ति दर्ज करा दी है।जिसका ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुरूद द्वारा समर्थन करते हुए पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कुरूद के स्थानांतरण पर रोक लगाने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को तहसील कार्यालय पहुंचे कांग्रेसियों ने दो टूक कहा कि यह विद्यालय कुरूद की धरोहर है। जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर और ब्लॉक अध्यक्ष महिम शुक्ला ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में विद्यालय की अधोसंरचना को विश्वस्तरीय बनाने के लिए करोड़ों रुपये का निवेश किया गया है। वर्तमान में यहाँ अत्याधुनिक अटल टिंकरिंग लैब,सुसज्जित भौतिकी एवं वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं, रचनात्मक विकास हेतु कला एवं सांस्कृतिक केंद्र, भव्य भवन और सुसज्जित कक्षाएं मौजूद हैं।उन्होंने कहा कि यदि विद्यालय को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया, तो शासन की इस भारी भरकम राशि का दुरुपयोग होगा और छात्र इन तैयार सुविधाओं से वंचित हो जाएंगे।पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आशीष शर्मा और पार्षद मनीष साहू, नेता प्रतिपक्ष डुमेश साहू, तुकेश साहू ने कहा कि वर्तमान शाला भवन पूरी तरह मजबूत है और पालकों या छात्रों को यहाँ से कोई असुविधा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि संस्था और स्थानीय जनता को विश्वास में लिए बिना स्थानांतरण का निर्णय लिया गया है, जो जनभावनाओं के विरुद्ध है।प्रशासन द्वारा अक्सर यातायात या जगह की कमी का तर्क दिया जाता है। जबकि विद्यालय के पास 3 मुख्य द्वार उपलब्ध हैं। इनका रणनीतिक उपयोग कर आवागमन की किसी भी समस्या को आसानी से सुलझाया जा सकता है। इसके लिए पूरी संस्था को उजाड़ना तर्कसंगत नहीं है।कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए स्थानांतरण पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई, तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।इस अवसर पर राजकुमारी दीवान, पुराणिक साहू, रमेश्वर साहू, रजत चंद्राकर, रविंद्र साहू, जॉनसिंग यादव, लेखराम साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरकार ने छत्तीसगढ़ को 10 साल पीछे ढकेल दिया : प्रदेश अध्यक्ष

मार्च के दूसरे हफ्ते में कुरुद आएंगे राहुल-खरगे, जगह चयन करने पहुंचे बैज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरुद 21 फरवरी। कांग्रेस पार्टी ग्रामीण रोजगार और आजीविका के मुद्दे पर केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफएक बड़ा जनआंदोलन शुरू करने जा रही है। सरकार को घेरने की रणनीतिक के तहत देश मे चार बड़े जन सभा की तैयारी की जा रही है। इस मनरेगा बचाओ संग्राम का औपचारिक शुभारंभ छत्तीसगढ़ की राजनीतिक सरजमी कुरूद से हो सकती है। जिसमें लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कुरुद विधानसभा क्षेत्र पहुंचने की संभावना है।?कार्यक्रम के लिए जगह का चयन करने शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और प्रदेश महामंत्री मलकीत सिंह गैदु ने स्वयं कुरुद का दौरा किया। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम, नई कृषि उपज मंडी और खेल मेला मैदान का निरीक्षण किया। श्री बैज ने स्पष्ट किया कि कुरुद के अलावा आरंग, धरसींवा व अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है, लेकिन जहां सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था होगी वहीं मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि रायपुर-धमतरी मार्ग पर स्थित कुरुद एक प्रमुख कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहां बड़ी संख्या में ग्रामीण आबादी मनरेगा पर निर्भर है। इस क्षेत्र से आंदोलन की शुरुआत कर कांग्रेस सीधे तौर पर ग्रामीण वोट बैंक को साधने और सरकार विरोधी लहर पैदा करने की रणनीति बना रही है।दीपक बैज ने बताया कि मार्च के दूसरे सप्ताह में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे छत्तीसगढ़ में एक जनसभा करेंगे। जिसकी तैयारियां चल रही है। यह सभा ऐतिहासिक सभा होगी जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। उन्होंने दावा किया कि मार्च के दूसरे सप्ताह में होने वाली यह जनसभा प्रदेश के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी।कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी और खरगे जी मंच से केंद्र सरकार की नाकामियों का कच्चा चिट्ठा खोलेंगे। साथ ही वे छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार के फेलियर पर भी विस्तार से चर्चा करेंगे।इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर, महिम शुक्ला, रमेशर साहू, आशीष शर्मा, रजत चंद्राकर, मनीष साहू, डुमेश साहू, रविन्द्र साहू, राघवेंद्र सोनी, तुकेश साहू, संतोष प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मीडिया से चर्चा करते हुए दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि ?वर्तमान सरकार के संरक्षण में पूरे प्रदेश में अवैध माइनिंग, रेत उत्खनन और अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने खनिज संसाधनों की लूट मचा रखी है। इस सरकार ने छत्तीसगढ़ को विकास के मामले में 10 साल पीछे धकेल दिया है और प्रदेश बर्बादी की कगार पर है।?उन्होंने दहदहा की घटना को दुखद और गंभीर घटना बताते हुए कहा कि यह प्रशासन की विफलता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, जबकि हकीकत जनता के सामने आनी चाहिए।

खाद्य सुरक्षा मानक में अनियमितता पर अविनाश इंडस्ट्रीज खोखली का लाइसेंस निलंबित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 21 फरवरी। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की द्वारा जिले में खाद्य सुरक्षा को लेकर जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को फर्म अविनाश इन्डस्ट्रीज खोखली, भाटापारा जांच किया। फर्म द्वारा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 व विनियम का पालन नहीं करने पर लाइसेंस निलंबित किया गया। अभिहित अधिकारी अक्षय कुमार सोनी ने बताया कि ऑनलाइन वायरल विडियो का संज्ञान में लेते हुये फर्म अविनाश इन्डस्ट्रीज खोखली, भाटापारा का जांच किया गया। निरीक्षण के दौरान फर्म में फूड हेंडलरों के द्वारा बिना मॉस्क, हेडकवर, ग्लब्स लगाये हुए अस्वास्थ्यकर दशाओं में पोहे का विनिर्माण किया जाना पाया गया। फर्म में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 व विनियम के तहत् फूड हैंडलरों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण दस्तावेज व किट,पेस्ट नियंत्रण संबंधित समुचित उपाय नहीं पाया गया जिस पर खाद्य विभाग की टीम ने नायलोन पोहा का विधिक नमूना लेकर जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेज दिया गया है। फर्म को सुधारात्मक नोटिस जारी कर फर्म का खाद्य लायसेंस (अनुज्ञप्ति) तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जावेगी तथा लायसेंस (अनुज्ञप्ति)बहाली के बाद ही फर्म का संचालन किये जाने का निर्देश दिया गया है।

दक्षिण भारत की यात्रा के लिए बस को रवाना किया विधायक इंद्र साव ने

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 21 फरवरी। पेंशनर्स एसोसिएशन के द्वारा निकाली गई दक्षिण भारत की धार्मिक यात्रा बस को विधायक इंद्र साव ने मांगलिक ध्वज दिखाकर रवाना किया।स्थानीय गायत्री मंदिर से रवाना हुई बस में यात्रा पर जा रहे सभी श्रद्धालुओं का विधायक इंद्र साव ने फूल माला पहना कर उनके मंगलमई यात्रा के लिए शुभकामना दी।श्री साव ने पेंशनर्स एसोसिएशन के द्वारा प्रति वर्ष निकाली जा रही यात्रा पर खुशी जाहिर करते हुए तहसील शाखा अध्यक्ष डॉ खुमान सिंह वर्मा को बधाई देते हुये कहा कि पिछले लगभग 4 वर्षों से पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्य गण विभिन्न प्रांतों की यात्रा का अनुभव प्राप्त कर चुके है वही मॉरिशस,फिजी जैसे।देशों की भी यात्रा करना निश्चित रूप से डा खुमान वर्मा की अच्छी सोच का परिणाम है। विधायक श्री साव ने बस में सवार 30 महिलाएं सहित लगभग 50 तीर्थ यात्रियों को उनके मंगल मय और सफल यात्रा की शुभकामना दी।इस अवसर पर, मुख्य रूप से खुमान वर्मा, ललित सिंह ठाकुर, बाबूलाल साव, एस.आर. फुटान, डॉ. वीणा साहू, लक्ष्मी साहू, राजा वर्मा सहित पेंशनर्स ऐसोसिएशन के सभी सदस्य एवं तीर्थ यात्रीगण उपस्थित थे।

रानी जैन को भाजपा महिला मोर्चा तिल्दा-नेवरा का शहर अध्यक्ष बनने पर दी गई बधाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 21 फरवरी। भाजपा महिला मोर्चा रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्रीमती रश्मि वर्मा ने अपने कार्यकारिणी को घोषणा आज देर शाम की है,जिसमें तिल्दा नेवरा शहर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष वार्ड क्रमांक 21 की पार्षद श्रीमती रानी सौरभ जैन की नियुक्ति की है, उक्त नियुक्ति के बाद रानी सौरभ जैन को बधाई दी गई है। वहीं रानी सौरभ जैन ने सभी का आभार माना है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष बनने के बाद रानी जैन ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्याम नारंग महिला मोर्चा अध्यक्ष रश्मि वर्मा सहित अनेक वरिष्ठों के प्रति आभार व्यक्त किया है साथ ही कहा है कि जो पार्टी ने मुझे दायित्व सौंपा है उसके प्रति पूरी निष्ठा और ईमान दारी से बीजेपी को नगर में मजबूत करेगी साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याण कारी योजना अधिक से अधिक महिलाओं को प्राप्त हो इस हेतु कार्य करेगी नगर में बीजेपी के प्रति महिलाओं की ओर भागीदारी बढ़े अच्छी महिलाएं जो राष्ट्र ओर समाज के विकास में अग्रणी हो ऐसे महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा बीजेपी में जोड़ कर संगठन की ताकत मजबूत करने अधिक प्रयास करेगी

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 21 फरवरी। संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड, के सौजन्य से समता फाउंडेसन और ?म जी एम हॉस्पिटल रायपुर , ओम हॉस्पिटल रायपुर,पेटल्स हॉस्पिटल ,उपाध्याय हॉस्पिटल रायपुर के विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम के सहयोग से ग्राम पंचायत सांकरा के पंचायत भवन में विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया शिविर में आस पास गावों के लोगों ने लाभ लिया . विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सैकड़ो मरीजों का निशुल्क इलाज किया गया.जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि वितरण की गई। नेत्र जाँच ,खून जाँच ,बी पी ,शुगर ,,जनरल चेकअप किया गया इस अवसर पर शिविर में पहुंचे तमाम डॉक्टर और अतिथियों का फूलों के साथ स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह दे कर उन्हें सम्मानित भी किया गया. संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड, की सी एस आर हेड श्रीमती शीतल गोयल ने कहा की जाँच में जिन मरीजों को मोतियाबिंद निकला है उनका हमारे द्वारा मुफ्त में ऑपरेशन कराया जायेगा उन्होंने कहा की हमें छोटी सी छोटी बीमारियों को हल्के में नहीं लेना चाहिए समय रहते डॉक्टरों से परामर्श कर स्वास्थ्य लाभ लेना चाहिए हम गरीबों के लिए हमेशा तैयार हैं इसी प्रयास में इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क दवाओं का वितरण, आंखों की जांच, नजर के चश्मे का वितरण तथा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांचें निशुल्क की गई साथ ही जांचकर्ताओं को मच्छर दानी मुफ्त वितरण किया गया । शिविर में वृद्ध जनों तथा युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। नि : शुल्क चिकित्सा शिविर में प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत सांकरा के सरपंच .पुनिया पटेल उपसरपंच राजकुमार यदु एवं पंच गण तथा ग्राम के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रायपुर जिला ग्रामीण बीजेपी संगठन ओर मंडल में तिल्दा-नेवरा का दबदबा बरकरार

तिल्दा नेवरा 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी रायपुर जिला, ग्रामीण के अध्यक्ष श्याम नारंग ने प्रदेश अध्यक्ष की सहमति से तिल्दा नेवरा के महिला

मोर्चा के अध्यक्ष महामंत्री सहित जिला कार्यकारणी एव अनेक मोर्चा प्रकोष्ठ में योग्य कार्यकर्ताओं को स्थान दिया महिला मोर्चा अध्यक्ष रानी सौरभ जैन सहित नगर के वरिष्ठ नेता राम पंजवानी को जिला कार्यसमिति में स्थान दिया है तो जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष रश्मि वर्मा ने अपनी टीम ओर कार्य समिति की भी घोषणा कर दी है तिल्दा शहर ओर ग्रामीण मंडल से दर्जनों कार्यकर्ताओं को स्थान मिला है राम पंजवानी,अरुण अग्रवाल ,रवि सेन ,श्रीमती पूनम देवांगन को रायपुर जिला भाजपा में कार्यसमिति सदस्य बनाये जाने पर किसान मोर्चा में जिला मंत्री ईश्वर यदू व तिल्दा शहर से मनोज साहू को किसान मोर्चा अध्यक्ष महिला मोर्चा रायपुर जिला मे श्रीमती स्वाति वर्मा जिला महामंत्री में प्रवक्ता श्रीमती कृष्णा शर्मा को महिला मोर्चा तिल्दा शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती रानी सौरभ जैन महामंत्री बेबी गोस्वामी तिल्दा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्रीमती मैना वर्मा को श्री मति ममता पैकरा को जिला कार्यालय प्रभारी श्री मति सुधा चौबे को जिला कार्यसमिति सदस्य श्री मति मनोरमा वर्मा को जिला कार्यसमिति सदस्य श्री मति पुष्पा नायक को जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया है इस बार देखा जाय तो पार्टी ने सोच समझकर कार्यकर्ताओं को जगह दी है।

बजरंग चौक से हरदी घाटा चौक तक फोरलेन प्रस्ताव

नगरी में फोरलेन सड़क निर्माण की मांग को मिली गति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 21 फरवरी। नगर पंचायत नगरी में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और संकरी सड़क के कारण नगरवासियों को हो रही असुविधा को देखते हुए फोरलेन सड़क निर्माण की मांग ने अब जोर पकड़ लिया है। इसी संबंध में नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष बलजीत छाबड़ाने जिला धमतरी के प्रभारी मंत्री टक राम वर्मा से सौजन्य मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की।

नगर पंचायतअध्यक्ष बलजीत छाबड़ा द्वारा प्रभारी मंत्री को अवगत कराया गया कि बजरंग चौक नगरी से हरदी घाटा चौक तक सड़क का चौड़ीकरण कर फोरलेन निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यह मार्ग नगर का मुख्य यातायात मार्ग है, जहां प्रतिदिन भारी वाहनों, स्कूली बसों एवं आम नागरिकों की आवाजाही रहती है। वर्तमान में सड़क संकरी होने से जाम, दुर्घटनाओं और आवागमन में विलंब जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। बताया गया कि यह सड़क परियोजना पूर्व में मूल बजट में शामिल है तथा लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से इसके निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। अब इस कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने हेतु प्रशासनिक स्वीकृति दिलवाने की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री से स्वीकृति की मांग

नगर पंचायत अध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ शासन के मुखिया विष्णु देव साय एवं लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव से प्रशासनिक स्वीकृति दिलवाकर शीघ्र फंड जारी करवाएं, ताकि निर्माण कार्य प्रारंभ हो सके साथी अध्यक्ष एवं पार्षदों ने राजा बड़ा जहां नगर के विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं उसे स्थान पर डम के लिए 30 लख रुपए की मांग पत्र एवं हाई स्कूल मैदान को मिनी स्टेडियम हेतु एक करोड़ 13 लख रुपए का मांग पत्र भी जिले के प्रभारी मंत्री को सौप है इस पर प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा जी ने आश्वासन दिया कि विषय पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी तथा शासन स्तर पर आवश्यक स्वीकृति दिलवाकर कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति

इस अवसर पर धमतरी जिला के जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस पूर्व विधायक श्रवण मरकाम नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष बालजीत छबड़ा के साथ पार्षद एवं सभापति अश्वनी निषाद, शंकरदेव, विनिता कोठारी, चेलेश्वरी साहू एवं अंबिका ध्रुव उपस्थित रहे।

सभी जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि यह सड़क नगरवासियों की वर्षों पुरानी और अत्यंत आवश्यक मांग है, जिसे अब शीघ्र पूर्ण कराया जाना चाहिए।

अध्यक्ष का वक्तव्य

अध्यक्ष बालजीत छबड़ा ने कहा कि नगर के समग्र विकास एवं सुगम यातायात व्यवस्था के लिए फोरलेन सड़क का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। नगरवासियों को जाम और दुर्घटनाओं से राहत दिलाने के उद्देश्य से यह मांग की गई है और शासन से सकारात्मक सहयोग मिलने की पूरी उम्मीद है। नगर में इस प्रस्ताव को लेकर आम नागरिकों में उत्साह का माहौल है तथा सभी को अब प्रशासनिक स्वीकृति मिलने और कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की प्रतीक्षा है।

एक नजर

पुलिस की तत्परता से ढाई साल की मासूम सुरक्षित परिजनों को मिली

बचेली 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बचेली पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से शुक्रवार को एक ढाई साल की मासूम बच्ची अंकिता भास्कर सकुशल उसके परिजनों को सौंप दी गई। जानकारी के अनुसार भीमा राम भास्कर, निवासी कलेपाल थाना किरंदुल, अपने परिवार के साथ जगदलपुर से लौट रहे थे। बचेली में बस से उतरते समय परिजनों की लापरवाही के चलते बच्ची उनसे बिछड़ गई। बताया जा रहा है कि बच्ची के माता-पिता नशे की हालत में थे, इसी दौरान एक बुजुर्ग महिला बच्ची को बस में लेकर आगे चली गई। बच्ची के गुम होने की सूचना मिलते ही बचेली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और बस की जानकारी जुटाकर पड़ापुर के पास बस को रुकवाया। त्वरित कार्रवाई के चलते बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक पूछताछ कर बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस सराहनीय कार्य से एक बार फिर बचेली पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता सामने आई है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाही की प्रशंसा की!

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन करने वाले 6 गिरफ्तार

बलौदाबाजार 21 फरवरी। सूचना मिली कि कुछ ट्रैक्टर वाहन चालकों द्वारा महानदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन पर थाना कसडोल पुलिस द्वारा महानदी पुल के पास कसडोल में घेराबंदी करते हुए 06 ट्रैक्टर को वाहन चालक सहित पकड़ा गया। पुलिस द्वारा सभी वाहन चालकों से विस्तृत पूछताछ किया गया, जिसमें उन सभी के द्वारा अवैध रूप से महानदी से रेत उत्खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना कसडोल में धारा 303(2) बीएनएस, खान एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 21(4) के तहत अलग-अलग कुल 06 अपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरणों में सभी 06 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर, जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस द्वारा रेत से भरा हुआ 06 ट्रैक्टर ट्राली भी जप्त किया गया है।

विधि से संघर्षरत बालकों के परामर्श एवं पुनर्वास के लिए विशेष पहल

बलौदाबाजार 21 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में पुलिस कम्युनिटी हॉल बलौदाबाजार में पूर्व में विभिन्न अपराधों में संलिप्त रहे किशोरों/विधि से संघर्षरत बालको के लिए ऑपरेशन परिवर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के किशोरों को पुनः अपराध में नहीं लौटने के लिए प्रेरित किया गया तथा पुनर्वास के लिए कौशल विकास हेतु प्रोत्साहित किया गया। ऑपरेशन परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य किशोरों की अपराध में संलिप्तता को रोकना, दंडात्मक एवं पुनर्वास दोनों दृष्टिकोण को अपनाना, जोखिम ग्रस्त बच्चों की शीघ्र पहचान कर उन्हें समय पर हस्तक्षेप एवं परामर्श देना। सांथ ही पुनर्वास एवं सामाजिक पुनर्स्थापना कर विभागों के मध्य समन्वय को सुदृढ करना है। कार्यक्रम में श्री हेमसागर सिदार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भाटापारा द्वारा कहा गया कि कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेश्य विधि से संघर्षरत बालको एवं किशोरों की सोच में सकारात्मक बदलाव और उन्हें मुख्य धारा में वापस लाने के लिए एक सुधारात्मक पहल है, जिसमें शिक्षा, कौशल विकास, संस्कार और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (स्वास्थ्य) मोनिंदर घृतलहरे द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किशोरों के साथ विभिन्न एक्टिविटी के माध्यम से उन्हें समाज की मुख्य धारा में लौटने, पढ़ाई में ध्यान देने, गृह कार्यों में अपने परिजनों का भरपूर साथ देने, नशा से सदा दूर रहने आदि हेतु प्रेरित किया गया।

बचेली में 89 सीसीटीवी से शहर पर नजर, एनएमडीसी टाउनशिप के 300 कैमरे बंद क्यों

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 21 फरवरी। शहर की सुरक्षा व्यवस्था में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। बचेली थाना क्षेत्र में लगे 89 सीसीटीवी कैमरे आज पुलिस की 'तीसरी आंख' बनकर नगर की गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखे हुए हैं। इन कैमरों के जरिए ट्रैफिक, संदिग्ध गतिविधियों और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई संभव हो पा रही है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू सवाल खड़ा करता है। लौह नगरी के औद्योगिक क्षेत्र एनएमडीसी टाउनशिप में तकरीबन 300 सीसीटीवी कैमरे लगे होने का दावा किया जाता है। हैरानी की बात यह है कि स्थानीय सूत्रों के अनुसार इनमें से आधे से ज्यादा कैमरे बंद या खराब पड़े हैं वही कुछ कैमरे चालू भी है तो उसकी पिक्चर क्वालिटी बहुत खराब है मौके पर अगर सीसीटीवी को खंगाला जाए तो कुछ समझ में ही नहीं आता है ,

सवालों के घेरे में सुरक्षा व्यवस्था: जब शहर की सामान्य आबादी 89 कैमरों के भरोसे सुरक्षित रखी जा सकती है, तो फिर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस टाउनशिप में 300 कैमरों के बावजूद निगरानी व्यवस्था कमजोर क्यों टाउनशिप में सिक्योरिटी गार्डों की तैनाती भी है, लेकिन अगर कैमरे ही काम न करें तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था कागज़ी बनकर रह जाती है। खराब कैमरों के कारण– चोरी और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही, किसी घटना के बाद फुटेज उपलब्ध न होने से जांच प्रभावित हो सकती है, कर्मचारियों और उनके परिवारों में असुरक्षा की भावना पनप रही है।

रख-रखाव में लापरवाही या जिम्मेदारी से बचना : स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएमडीसी द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर कैमरे तो लगा दिए गए, लेकिन उनके मेंटेनेंस और मॉनिटरिंग पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। सवाल यह भी है कि क्या नियमित ऑडिट और तकनीकी निरीक्षण होता है अगर होता है, तो खराब कैमरों की संख्या इतनी ज्यादा कैसे?

प्रशासन और प्रबंधन से जवाब की अपेक्षा: जहां एक ओर पुलिस सीमित संसाधनों में भी तकनीक का बेहतर उपयोग कर रही है, जब से नया थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू ने प्रभार लिया है तब से नगर से सभी सीसीटीवी कैमरे को सुचारू रूप से चालू करवाया वहीं टाउनशिप की ढीली व्यवस्था चर्चा का विषय बन गई है। जरूरत है कि प्रबंधन तत्काल खराब पड़े कैमरों को दुरुस्त कराए, मॉनिटरिंग सिस्टम को सक्रिय करे और सुरक्षा को प्राथमिकता दे।क्योंकि सुरक्षा में लापरवाही का खामियाजा कभी भी भारी पड़ सकता है–और तब 300 कैमरों का आंकड़ा सिर्फकागजों में ही दर्ज रह जाएगा।

राज्य सरकार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

31 मई तक 10 लाख जल संरचनाओं का लक्ष्य, जल सुरक्षा को मिलेगा नया आधार

रायपुर 21 फरवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल की संयुक्त अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश में ÷जल संचय-जन भागीदारी 2.0÷ अभियान के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल इस बैठक में वर्चुअली शामिल हुए और बैठक को संबोधित किया। इस दौरान बिलासपुर, दुर्ग और सूरजपुर जिले के कलेक्टरों ने अपने-अपने जिलों में अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल संकट 21वीं सदी की केवल गंभीर पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और विकासात्मक चुनौती भी बन चुका है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को स्थायी और प्रभावी बनाने के लिए जनभागीदारी अनिवार्य है।उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश का उल्लेख किया, जिसमें पानी के उपयोग को प्रसाद के समान मानते हुए जल के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर राज्य सरकार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभियान के पहले चरण में छत्तीसगढ़ ने देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा विभिन्न जिलों को भी अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार मिले। पहले चरण में सामुदायिक भागीदारी के मॉडल पर कार्य करते हुए बड़े पैमाने पर बोरवेल रिचार्ज, रूफ्टॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज शाफ्ट, सोक पिट और ओपनवेल रिचार्ज जैसी संरचनाओं का निर्माण किया गया। श्री साय ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 5 क्रिटिकल और 21 सेमी-क्रिटिकल भू-जल ब्लॉक चिन्हित हैं। वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में इनमें से 5 ब्लॉकों में भू-जल निकासी में कमी और भू-जल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है, जो जल संरक्षण प्रयासों के सकारात्मक परिणामों का संकेत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभियान के दूसरे चरण ÷जल संचय-जन भागीदारी 2.0÷ के अंतर्गत तकनीक आधारित और अधिक परिणाममूलक रणनीति अपनाई जा रही है। राज्य सरकार ने 31 मई 2026 तक 10 लाख जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने इसे जल सुरक्षा की दिशा में प्रदेश का ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि राज्य के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर एक विशेष पहल के तहत 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले चार लाख से अधिक किसानों को अपने खेतों में डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस कार्य में जिला प्रशासन के साथ-साथ औद्योगिक समूहों का सहयोग भी लिया जा रहा है। इन डबरियों से भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ किसानों को सिंचाई एवं मछली पालन जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में सभी जल संरचनाओं की जियोटैगिंग, ग्राम पंचायतों के वॉटर बजट तथा जल सुरक्षा योजनाओं के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही गांवों के युवाओं को जल मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि अभियान को गति मिल सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि क्रिटिकल और सेमी-क्रिटिकल ब्लॉकों पर विशेष फोकस रखते हुए सेमी-क्रिटिकल ब्लॉकों में 40 प्रतिशत तथा क्रिटिकल ब्लॉकों में 65 प्रतिशत जल संरक्षण कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने, जल संरचनाओं की रक्षा करने और जल के प्रति जिम्मेदार सोच अपनाने का आह्वान भी किया। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गत वर्ष जल संरक्षण के प्रयासों में छत्तीसगढ़ देशभर में दूसरे स्थान पर रहा, जो राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2024 को सूरत से 'जल संचय जन भागीदारी अभियान' की शुरुआत की थी और 'कर्मभूमि से मातृभूमि के लिए जल संचयन में सहयोग' का आह्वान किया था। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देना है।

रायपुर बना राष्ट्रीय व्यापार का केंद्र, कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 का ऐतिहासिक शुभारंभ

रायपुर 21 फरवरी। वैदिक मंत्रोच्चार व पूजा-अर्चना के साथ हुआ विधिवत उद्घाटन, प्रदेश के साथ साथ देशभर के व्यापार एवं उद्योग जगत के ब्रांड एक मंच पर देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, श्री वासु मखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी, श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि राजधानी रायपुर के बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर में आज देश के सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक आयोजनों में से एक कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 का विधिवत, गरिमामयी एवं भव्य शुभारंभ संपन्न हुआ। देशभर से पधारे व्यापारियों, उद्योगपतियों, उद्यमियों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति में यह आयोजन भारत की उभरती व्यापारिक शक्ति का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया। इस ऐतिहासिक एक्सपो का शुभारंभ Confederation of All India Traders (CAIT) के संरक्षक समिति श्री परविंदर सिंह भाटिया, श्री रामजी पटेल तथा सलाहकार समिति सदस्य श्री मनमोहन अग्रवाल ,श्री भरत बजाज, विजय गोयल, कीर्ति व्यास जी एवं राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी एवं अतिथियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजन-अर्चन के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से किया गया। शुभारंभ अवसर पर पूरे परिसर में उत्साह, ऊर्जा एवं सकारात्मकता का वातावरण स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। कैट के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन श्री पारवानी ने अपने संबोधन में कहा कि कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि देश के व्यापारिक भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच है।

दीपावली की तरह मनाया जाएगा चेट्रीचंड्र महोत्सव,घर-घर विराजेंगे भगवान झूलेलाल

रायपुर 21 फरवरी। पूज्य सिंधी पंचायत अमलीडीह के अध्यक्ष विशाल कुकरेजा के नेतृत्व में न्यू राजेंद्र नगर स्थित पंचायत कार्यालय में बैठक रखी गई। पंचायत के अध्यक्ष विशाल कुकरेजा ने बताया की इस वर्ष 10 दिनो तक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।जिसमें प्रभातफेरी,निःशुल्क मूर्ति वितरण,निःशुल्क स्वास्थ शिविर,निःशुल्क रक्तदान शिविर,आम भंडारे एवं सिंधी आरकेस्ट्रा का आयोजन किया जाएगा। कुकरेजा ने बताया कि भगवान झूलेलाल की मूर्ति की स्थापना समाजजनो द्वारा घर घर में की जाती है । विधि विधान से पूजा -अर्चना के बाद चेट्रीचंड्र के दूसरे दिन विसर्जन किया जाता है।यह कार्यक्रम गुरु श्री अनंतपुरी गोस्वामी के सानिध्य से किया जा रहा है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अथितियों को सिंधी टिप्पणा भी वितरण किया जाएगा।बैठक में मुख्य रूप से डी.प्रेम मूलचंदानी,अशोक केशवानी,जितेंद्र लालवानी,जी.एस गेहानी,अमर चन्दनानी, सुनील बत्रा, प्रेम सोनी,पी एल राजेश,श्यामलाल थारवानी,नंदकुमार मूलचंदानी,संजय जयसिंघानी,कपिल गेहानी,राकेश माटा,अमित नागदेव, गोपीचंद कुकरेजा,श्यामलाल थारवानी,कुणाल सिहानी,योगेश भाटिया,यश नागवानी,चिराग जयसिंघानी, आदि उपस्थित थे।

शराब की अवैध बिक्री करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार 21 फरवरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 20.02.2026 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर सहायता केन्द्र निपनिया की पुलिस टीम द्वारा निपनिया रेलवे फाटक के पास घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब बिक्री करते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचिया से ?3500 कीमत मूल्य का 35 पाव देशी मसाला शराब एवं बिक्री रकम ?150 जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध पुलिस सहायता केंद्र निपनिया थाना भाटापारा ग्रामीण में धारा 34(2) आबकारी के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

न्यायालय तहसीलदार लाल बहादुर नगर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202602094500025

विषयः- ब-121
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन्ः- 2025-2026

सेंदरी प.ह.न. 00011 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- मानसिंह,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मानसिंह पिता स्व. रामप्रसाद साहू जाति तेली निवासी भिलाई मृत्यु स्थान ग्राम सेन्दरी तहसील लाल बहादुर नगर जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि, अपने पिता रामप्रसाद पिता बिसाहू जाति तेली की मृत्यु दिनांक 13.09.2000 को स्थान सेन्दरी में हुआ है, जो कि भूलवश ग्राम पंचायत सेन्दरी में संधारित मृत्यु पंजी/रजिस्ट्रार में दर्ज नहीं हो पाया है। आवेदक अपने पिता रामप्रसाद पिता बिसाहू जाति तेली की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत सेन्दरी में मृत्यु पंजी में दर्ज करवाकर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहती है। अतः ग्राम पंचायत सेन्दरी में संधारित मृत्यु पंजी में दर्ज करवाकर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित शपथ पत्र, जन्म/मृत्यु पंचनामा में सरपंच द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र, उप पंजीयक (जन्म-मृत्यु) ग्राम पंचायत सेन्दरी जनपद पंचायत डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगाव का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पेश कर निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वयं या अपने अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 25.02.2026 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/02/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
लाल बहादुर नगर

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं सुखदेव पिता श्री गौतम सिंह आयु 30 वर्ष जाति लोधी निवासी ग्राम खमपुरा तहसील लाल बहादुर नगर जिला राजनांदगांव (छ.ग.) का निवासी हूं।

मेरे पुत्र हर्षित उपराड़े का जन्म दिनांक 25/08/2022 को स्थान पारख नर्सिंग होम राजनांदगांव में हुआ हैं। जिसका जन्म प्रमाण पत्र नगर निगम राजनांदगांव से जारी किया गया है। जिसमें पिता के स्थान पर मेरा नाम सुखदेव उपराड़े व माताजी के स्थान पर मेरी पत्नी का नाम स्वाति उपराड़े त्रुटिवश दर्ज हो गया हैं जबकि मेरे व मेरी पत्नी के समस्त दस्तावेजों में मेरा उपनाम उपराड़े दर्ज नहीं हैं।

मुझे अपने पुत्र हर्षित उपराड़े के नाम से जारी उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे व मेरी पत्नी के नाम के साथ दर्ज मेरे उपनाम उपराड़े परिवर्तन कर मेरा वास्तविक नाम व सही नाम सुखदेव पिता श्री गौतम सिंह के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

सूचना जाने।

भवदीय
सुखदेव पिता श्री गौतम सिंह
ग्राम-खमपुरा
तहसील-लाल बहादुर नगर
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

कलेक्टर ने की परीक्षा तैयारियों की समीक्षा,निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

पीएससी प्रारंभिक परीक्षा में जिले के 2 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 21 फरवरी। आगामी 22 फ़रवरी 2026 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस परीक्षा में जिले के 2149 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा की तैयारी को लेकर कलेक्टर दीपक सोनी ने शुक्रवार को केंद्राध्यक्ष व ऑब्जर्वर की बैठक ली। उन्होंने तैयारियों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया जाए और आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर संवेदनशील है। बिना किसी त्रुटि के एवं पारदर्शी ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न हो, निर्देशों का कड़ाई से पालन हो और अपने दायित्व का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करें। सभी परीक्षा केंद्रों पर फ्रिस्किंग की प्रक्रिया पूर्ण रूप से लागू हो और किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस आदि को परीक्षा केंद्र में लाने की अनुमति न दी जाए। अभ्यर्थियों की पहचान का सत्यापन आधार एवं प्रवेश पत्र के आधार पर किया जाए और कक्षा में प्रवेश से पहले उनका चेकिंग कार्य सटीक रूप से हो।

बताया गया कि परीक्षा आयोजन हेतु जिले में 7 केंद्र बनाए गए हैं जिसमें डी के कॉलेज बलौदाबाजार, मिनीमाता शासकीय कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार, एमडीव्ही स्कूल बलौदाबाजार,पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल बलौदाबाजार, शासकीय महाविद्यालय लवन, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल लवन एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल अर्जुनी शामिल हैं। प्रथम पाली प्रातः 10 से अपरान्ह 12 बजे तक सामान्य अध्ययन एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 3 बजे से अपरान्ह 5:बजे तक अभिरूचि परीक्षा आयोजित होगी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर व नोडल अधिकारी अरुण कुमार सोनकर सहित केन्द्राध्यक्ष एवं ऑब्जर्वर

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालोद, जिला-बालोद (छ.ग)

-:मैनुअल पद्धति निविदा सचूना:-

क्रमांक/233/लो.नि.वि./न.पा./2026 बालोद, दिनांक-20/02/206

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 06.03.2026 सायं 5:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र शुल्क जमा/प्रदाय की अंतिम तिथि - 09.03.2026 सायं 5:00 बजे तक
3. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 16.03.2026 सायं 5:00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 17.03.2026 दोपहर 12:00 बजे से...

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से पार्षद निधि अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानत राशि	कार्य की समयावधि
1	वार्ड क्र. 03 में बोर खनन कार्य मोटर पम्प स्थापना सहित	3.21	750.00	2250.00	
2	वार्ड क्र. 07 में बोर खनन कार्य मोटर पम्प स्थापना सहित	3.21	750.00	2250.00	
3	वार्ड क्र. 08 में बोर खनन कार्य मोटर पम्प स्थापना सहित	3.21	750.00	2250.00	01 माह
4	वार्ड क्र. 09 में बोर खनन कार्य मोटर पम्प स्थापना सहित	3.21	750.00	2250.00	
5	वार्ड क्र. 12 में बोर खनन कार्य मोटर पम्प स्थापना सहित	3.21	750.00	2250.00	

उपरोक्त कार्यों के निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बालोद

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26